॥ श्रीहरिः ॥ 1708

श्रीराधिकासहस्रनामस्तोत्रम्

(नामावलिसहितम्)

(संक्षिप्त प्रयोग-विधिसहित)



॥ श्रीहरिः ॥

संक्षिप्त प्रयोग-विधि

सर्वप्रथम स्नान आदिसे पवित्र हो जाय। जब सहस्रनामस्तोत्रका पाठ करना हो अथवा सहस्रार्चन करना हो, श्रीराधिकाजीकी प्रतिमाको अपने सम्मुख किसी काष्ठपीठ आदिपर यथाविधि स्थापित कर ले, अपने बैठनेका आसन भी लगा ले। पूजन आदिकी सभी सामग्रियोंको यथास्थान रखकर अपने आसनपर पूर्वाभिमुख या उत्तराभिमुख बैठ जाय। दीपक जलाकर पूर्वाभिमुख रख दे और हाथ धो ले। '**दीपज्योतिर्नमोऽस्तु ते**' कहकर पुष्प अर्पितकर कर्मसाक्षी दीपकका पूजन कर ले। तिलक लगा ले तथा निम्न मन्त्रोंसे आचमन करे—

'ॐ केशवाय नमः। ॐ नारायणाय नमः। ॐ माधवाय नमः।' तथा **'ॐ हृषीकेशाय नमः'** कहकर हाथ धो ले।

निम्न मन्त्रसे अपने ऊपर जल छिड़ककर मार्जन कर ले—

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा।
यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥

ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु, ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु, ॐ पुण्डरीकाक्षः पुनातु।

तदनन्तर दाहिने हाथमें जल, पुष्प तथा अक्षत लेकर निम्न संकल्प करे—

ॐ विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद्भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्रह्मणो द्वितीयपरार्धे श्रीश्वेतवाराहकल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमे कलियुगे

कलिप्रथमचरणे जम्बूद्वीपे भारतवर्षे आर्यावर्तैकदेशे ....नगरे/ग्रामे ....वैक्रमाब्दे ....संवत्सरे ....मासे ....पक्षे ....तिथौ ....वासरे ....गोत्रः शर्मा/वर्मा/गुप्तोऽहं श्रीराधिकाप्रीत्यर्थं* सहस्रनामस्तोत्रपाठं करिष्ये। (यदि सहस्रार्चन करना हो तो '**सहस्रनामार्चनं करिष्ये**'—ऐसा बोलना चाहिये।)

हाथका जलाक्षत छोड़ दे। कार्यकी निर्विघ्न सिद्धिके लिये श्रीगणेशजीका स्मरण कर ले।

---

* अगर किसी कामनाकी सिद्धिके लिये सहस्रार्चन करना हो तो संकल्पमें '**यथेप्सितकार्यसिद्धिद्वारा श्रीराधिकाप्रीत्यर्थं यथालब्धोपचारैः पूजनपूर्वकं ....द्रव्यैः सहस्रार्चनं करिष्ये**'—ऐसी योजना कर ले।

इसके बाद नीचे लिखे मन्त्रोंसे पंचोपचार या मानस-पूजन करके स्तोत्रका पाठ करना चाहिये —

मानस-पूजन—

१-ॐ लं पृथिव्यात्मकं गन्धं परिकल्पयामि।

(प्रभो! मैं पृथिवीरूप गन्ध (चन्दन) आपको अर्पित करता हूँ।)

२-ॐ हं आकाशात्मकं पुष्पं परिकल्पयामि।

(प्रभो! मैं आकाशरूप पुष्प आपको अर्पित करता हूँ।)

३-ॐ यं वाय्वात्मकं धूपं परिकल्पयामि।

(प्रभो! मैं वायुदेवके रूपमें धूप आपको प्रदान करता हूँ।)

४-ॐ रं वह्न्यात्मकं दीपं दर्शयामि।

(प्रभो! मैं अग्निदेवके रूपमें दीपक आपको प्रदान करता हूँ।)

५-ॐ वं अमृतात्मकं नैवेद्यं निवेदयामि।

(प्रभो! मैं अमृतके समान नैवेद्य आपको निवेदन करता हूँ।)

६-ॐ सौं सर्वात्मकं सर्वोपचारं समर्पयामि।

(प्रभो! मैं सर्वात्माके रूपमें संसारके सभी उपचारोंको आपके चरणोंमें समर्पित करता हूँ।)

सहस्त्रार्चन करते समय उपलब्ध सामग्रियोंसे षोडशोपचार या पंचोपचार-पूजन करना चाहिये, तदनन्तर सहस्त्रनामावलीके प्रत्येक नाममन्त्रसे सामग्री

राधिकाजीपर चढ़ाये। स्त्रियों तथा जिनका यज्ञोपवीत नहीं हुआ है, उन्हें प्रत्येक नामके पहले '**ॐ**' के स्थानपर '**श्री**' शब्दका प्रयोग करना चाहिये, जैसे— '**श्रीराधिकायै नमः।**' अन्तमें आरती, पुष्पांजलि तथा क्षमा-प्रार्थना करके अर्चनको पूर्ण करे।



ॐ

श्रीपरमात्मने नमः

श्रीराधिकासहस्त्रनामस्तोत्रम्

श्रीश्रीराधिकायै नमः

श्रीपार्वत्युवाच

देवदेव जगन्नाथ भक्तानुग्रहकारक।
यद्यस्ति मयि कारुण्यं यद्यस्ति मयि ते दया॥ १ ॥

यद्यत् त्वया निगदितं तत्सर्वं मे श्रुतं प्रभो।
गुह्याद् गुह्यतरं यत्तु यत्ते मनसि काशते॥ २॥
त्वया न गदितं यत्तु यस्मै कस्मै कदाचन।
तस्मात् कथय देवेश सहस्त्रं नाम चोत्तमम्॥ ३॥
श्रीराधाया महादेव्या गोप्या भक्तिप्रसाधनम्।
ब्रह्माण्डकर्त्री हर्त्री सा कथं गोपीत्वमागता॥ ४॥

श्रीमहादेव उवाच

श्रृणु देवि विचित्रार्थां कथां पापहरां शुभाम्।
नास्ति जन्मानि कर्माणि तस्या नूनं महेश्वरि॥ ५॥
यदा हरिश्चरित्राणि कुरुते कार्यगौरवात्।
तदा विधत्ते रूपाणि हरिसांनिध्यसाधिनी॥ ६॥
तस्या गोपीत्वभावस्य कारणं गदितं पुरा।
इदानीं श्रृणु देवेशि नाम्नां चैव सहस्त्रकम्॥ ७॥

यन्मया कथितं नैव तन्त्रेष्वपि कदाचन।
तव स्नेहात्प्रवक्ष्यामि भक्त्या धार्यं मुमुक्षुभिः॥ ८॥

मम प्राणसमा विद्या भाव्यते मे त्वहर्निशम्।
शृणुष्व गिरिजे नित्यं पठस्व च यथामति॥ ९॥

यस्याः प्रसादात् कृष्णस्तु गोलोकेशः परः प्रभुः।
अस्या नामसहस्त्रस्य ऋषिर्नारद एव च।
देवी राधा परा प्रोक्ता चतुर्वर्गप्रसाधिनी॥ १०॥

अथ सहस्त्रनामस्तोत्रम्

श्रीराधा राधिका कृष्णवल्लभा कृष्णसंयुता।
वृन्दावनेश्वरी कृष्णप्रिया मदनमोहिनी॥ ११॥
श्रीमती कृष्णकान्ता च कृष्णानन्दप्रदायिनी।
यशस्विनी यशोगम्या यशोदानन्दवल्लभा॥ १२॥
दामोदरप्रिया गोपी गोपानन्दकरी तथा।
कृष्णाङ्गवासिनी हृद्या हरिकान्ता हरिप्रिया॥ १३॥

प्रधानगोपिका गोपकन्या त्रैलोक्यसुन्दरी।
वृन्दावनविहारिणी विकसितमुखाम्बुजा॥ १४॥
गोकुलानन्दकर्त्री च गोकुलानन्ददायिनी।
गतिप्रदा गीतगम्या गमनागमनप्रिया॥ १५॥
विष्णुप्रिया विष्णुकान्ता विष्णोरङ्कनिवासिनी।
यशोदानन्दपत्नी च यशोदानन्दगेहिनी॥ १६॥
कामारिकान्ता कामेशी कामलालसविग्रहा।
जयप्रदा जया जीवा जीवानन्दप्रदायिनी॥ १७॥

नन्दनन्दनपत्नी च वृषभानुसुता शिवा।
गणाध्यक्षा गवाध्यक्षा गवां गतिरनुत्तमा॥ १८॥
काञ्चनाभा हेमगात्रा काञ्चनाङ्गदधारिणी।
अशोका शोकरहिता विशोका शोकनाशिनी॥ १९॥
गायत्री वेदमाता च वेदातीता विदुत्तमा।
नीतिशास्त्रप्रिया नीतिर्गतिर्मतिरभीष्टदा॥ २०॥
वेदप्रिया वेदगर्भा वेदमार्गप्रवर्द्धिनी।
वेदगम्या वेदपरा विचित्रकनकोज्ज्वला॥ २१॥

तथोज्ज्वलप्रदानित्या तथैवोज्ज्वलगात्रिका।
नन्दप्रियानन्दसुताराध्याऽऽनन्दप्रदा शुभा॥ २२॥
शुभाङ्गी विमलाङ्गी च विलासिन्यपराजिता।
जननी जन्मशून्या च जन्ममृत्युजरापहा॥ २३॥
गतिर्गतिमतां धात्री धात्र्यानन्दप्रदायिनी।
जगन्नाथप्रिया शैलवासिनी हेमसुन्दरी॥ २४॥
किशोरी कमला पद्मा पद्महस्ता पयोददा।
पयस्विनी पयोदात्री पवित्रा सर्वमङ्गला॥ २५॥

महाजीवप्रदा कृष्णकान्ता कमलसुन्दरी।
विचित्रवासिनी चित्रवासिनी चित्ररूपिणी॥ २६॥
निर्गुणा सुकुलीना च निष्कुलीना निराकुला।
गोकुलान्तरगेहा च योगानन्दकरी तथा॥ २७॥
वेणुवाद्या वेणुरतिर्वेणुवाद्यपरायणा।
गोपालस्य प्रिया सौम्यरूपा सौम्यकुलोद्वहा॥ २८॥
मोहामोहा विमोहा च गतिनिष्ठा गतिप्रदा।
गीर्वाणवन्द्या गीर्वाणा गीर्वाणगणसेविता॥ २९॥

ललिता च विशोका च विशाखा चित्रमालिनी।
जितेन्द्रिया शुद्धसत्त्वा कुलीना कुलदीपिका॥ ३०॥
दीपप्रिया दीपदात्री विमला विमलोदका।
कान्तारवासिनी कृष्णा कृष्णचन्द्रप्रिया मतिः॥ ३१॥
अनुत्तरा दुःखहन्त्री दुःखकर्त्री कुलोद्वहा।
मतिर्लक्ष्मीर्धृतिर्लज्जा कान्तिः पुष्टिः स्मृतिः क्षमा॥ ३२॥
क्षीरोदशायिनी देवी देवारिकुलमर्दिनी।
वैष्णवी च महालक्ष्मीः कुलपूज्या कुलप्रिया॥ ३३॥

संहर्त्री सर्वदैत्यानां सावित्री वेदगामिनी।
वेदातीता निरालम्बा निरालम्बगणप्रिया॥ ३४॥
निरालम्बजनैः पूज्या निरालोका निराश्रया।
एकाङ्गी सर्वगा सेव्या ब्रह्मपत्नी सरस्वती॥ ३५॥
रासप्रिया रासगम्या रासाधिष्ठातृदेवता।
रसिका रसिकानन्दा स्वयं रासेश्वरी परा॥ ३६॥
रासमण्डलमध्यस्था रासमण्डलशोभिता।
रासमण्डलसेव्या च रासक्रीडामनोहरा॥ ३७॥

पुण्डरीकाक्षनिलया पुण्डरीकाक्षगेहिनी।
पुण्डरीकाक्षसेव्या च पुण्डरीकाक्षवल्लभा॥ ३८॥
सर्वजीवेश्वरी सर्वजीववन्द्या परात्परा।
प्रकृतिः शम्भुकान्ता च सदाशिवमनोहरा॥ ३९॥
क्षुत् पिपासा दया निद्रा भ्रान्तिः श्रान्तिः क्षमाकुला।
वधूरूपा गोपपत्नी भारती सिद्धयोगिनी॥ ४०॥
सत्यरूपा नित्यरूपा नित्याङ्गी नित्यगेहिनी।
स्थानदात्री तथा धात्री महालक्ष्मीः स्वयंप्रभा॥ ४१॥

सिन्धुकन्याऽऽस्थानदात्री द्वारकावासिनी तथा।
बुद्धिः स्थितिः स्थानरूपा सर्वकारणकारणा॥ ४२॥
भक्तप्रिया भक्तगम्या भक्तानन्दप्रदायिनी।
भक्तकल्पद्रुमातीता तथातीतगुणा तथा॥ ४३॥
मनोऽधिष्ठातृदेवी च कृष्णप्रेमपरायणा।
निरामया सौम्यदात्री तथा मदनमोहिनी॥ ४४॥
एकानंशाशिवा क्षेमा दुर्गा दुर्गतिनाशिनी।
ईश्वरी सर्ववन्द्या च गोपनीया शुभङ्करी॥ ४५॥

पालिनी सर्वभूतानां तथा कामाङ्गहारिणी।
सद्यो मुक्तिप्रदा देवी वेदसारा परात्परा॥ ४६॥
हिमालयसुता सर्वा पार्वती गिरिजा सती।
दक्षकन्या देवमाता मन्दलज्जा हरेस्तनूः॥ ४७॥
वृन्दारण्यप्रिया वृन्दा वृन्दावनविलासिनी।
विलासिनी वैष्णवी च ब्रह्मलोकप्रतिष्ठिता॥ ४८॥
रुक्मिणी रेवती सत्यभामा जाम्बवती तथा।
सुलक्ष्मणा मित्रविन्दा कालिन्दी जह्नुकन्यका॥ ४९॥

परिपूर्णा पूर्णतरा तथा हैमवती गतिः।
अपूर्वा ब्रह्मरूपा च ब्रह्माण्डपरिपालिनी॥ ५०॥
ब्रह्माण्डभाण्डमध्यस्था ब्रह्माण्डभाण्डरूपिणी।
अण्डरूपाण्डमध्यस्था तथाण्डपरिपालिनी॥ ५१॥
अण्डबाह्याण्डसंहर्त्री शिवब्रह्महरिप्रिया।
महाविष्णुप्रिया कल्पवृक्षरूपा निरन्तरा॥ ५२॥
सारभूता स्थिरा गौरी गौराङ्गी शशिशेखरा।
श्वेतचम्पकवर्णाभा शशिकोटिसमप्रभा॥ ५३॥

मालतीमाल्यभूषाढ्या मालतीमाल्यधारिणी।
कृष्णस्तुता कृष्णकान्ता वृन्दावनविलासिनी॥ ५४॥
तुलस्यधिष्ठातृदेवी संसारार्णवपारदा।
सारदाऽऽहारदाम्भोदा यशोदा गोपनन्दिनी॥ ५५॥
अतीतगमना गौरी परानुग्रहकारिणी।
करुणार्णवसम्पूर्णा करुणार्णवधारिणी॥ ५६॥
माधवी माधवमनोहारिणी श्यामवल्लभा।
अन्धकारभयध्वस्ता मङ्गल्या मङ्गलप्रदा॥ ५७॥

श्रीगर्भा श्रीप्रदा श्रीशा श्रीनिवासाच्युतप्रभा।
श्रीरूपा श्रीहरा श्रीदा श्रीकामा श्रीस्वरूपिणी॥ ५८॥
श्रीदामानन्ददात्री च श्रीदामेश्वरवल्लभा।
श्रीनितम्बा श्रीगणेशा श्रीस्वरूपाश्रिता श्रुतिः॥ ५९॥
श्रीक्रियारूपिणी श्रीला श्रीकृष्णभजनान्विता।
श्रीराधा श्रीमती श्रेष्ठा श्रेष्ठरूपा श्रुतिप्रिया॥ ६०॥
योगेशी योगमाता च योगातीता युगप्रिया।
योगप्रिया योगगम्या योगिनीगणवन्दिता॥ ६१॥

जवाकुसुमसंकाशा दाडिमीकुसुमोपमा।
नीलाम्बरधरा धीरा धैर्यरूपधराधृतिः ॥ ६२ ॥
रत्नसिंहासनस्था च रत्नकुण्डलभूषिता।
रत्नालङ्कारसंयुक्ता रत्नमालाधरा परा ॥ ६३ ॥
रत्नेन्द्रसारहाराढ्या रत्नमालाविभूषिता।
इन्द्रनीलमणिन्यस्तपादपद्मशुभा शुचिः ॥ ६४ ॥
कार्तिकी पौर्णमासी च अमावस्या भयापहा।
गोविन्दराजगृहिणी गोविन्दगणपूजिता ॥ ६५ ॥

वैकुण्ठनाथगृहिणी वैकुण्ठपरमालया।
वैकुण्ठदेवदेवाढ्या तथा वैकुण्ठसुन्दरी॥ ६६॥
मदालसा वेदवती सीता साध्वी पतिव्रता।
अन्नपूर्णा सदानन्दरूपा कैवल्यसुन्दरी॥ ६७॥
कैवल्यदायिनी श्रेष्ठा गोपीनाथमनोहरा।
गोपीनाथेश्वरी चण्डी नायिकानयनान्विता॥ ६८॥
नायिका नायकप्रीता नायकानन्दरूपिणी।
शेषा शेषवती शेषरूपिणी जगदम्बिका॥ ६९॥

गोपालपालिका माया जायाऽऽनन्दप्रदा तथा।
कुमारी यौवनानन्दा युवती गोपसुन्दरी॥ ७० ॥
गोपमाता जानकी च जनकानन्दकारिणी।
कैलासवासिनी रम्भा वैराग्यकुलदीपिका॥ ७१ ॥
कमलाकान्तग्रहिणी कमला कमलालया।
त्रैलोक्यमाता जगतामधिष्ठात्री प्रियाम्बिका॥ ७२ ॥
हरकान्ता हररता हरानन्दप्रदायिनी।
हरपत्नी हरप्रीता हरतोषणतत्परा॥ ७३ ॥

हरेश्वरी रामरता रामा रामेश्वरी रमा।
श्यामला चित्रलेखा च तथा भुवनमोहिनी॥ ७४॥
सुगोपी गोपवनिता गोपराज्यप्रदा शुभा।
अङ्गारपूर्णा माहेयी मत्स्यराजसुतासती॥ ७५॥
कौमारी नारसिंही च वाराही नवदुर्गिका।
चञ्चलाचञ्चलामोदा नारी भुवनसुन्दरी॥ ७६॥
दक्षयज्ञहरा दाक्षी दक्षकन्या सुलोचना।
रतिरूपा रतिप्रीता रतिश्रेष्ठा रतिप्रदा॥ ७७॥

रतिलक्षणगेहस्था विरजा भुवनेश्वरी।
शङ्कास्पदा हरेर्जाया जामातृकुलवन्दिता॥ ७८॥
वकुला वकुलामोदधारिणी यमुनाजया।
विजया जयपत्नी च यमलार्जुनभञ्जिनी॥ ७९॥
वक्रेश्वरी वक्ररूपा वक्रवीक्षणवीक्षिता।
अपराजिता जगन्नाथा जगन्नाथेश्वरी यतिः॥ ८०॥
खेचरी खेचरसुता खेचरत्वप्रदायिनी।
विष्णुवक्षःस्थलस्था च विष्णुभावनतत्परा॥ ८१॥

चन्द्रकोटिसुगात्री च चन्द्राननमनोहरा।
सेवा सेव्याशिवाक्षेमा तथा क्षेमकरी वधूः॥ ८२॥
यादवेन्द्रवधूः शैब्या शिवभक्ता शिवान्विता।
केवला निष्कला सूक्ष्मा महाभीमाभयप्रदा॥ ८३॥
जीमूतरूपा जैमूती जितामित्रप्रमोदिनी।
गोपालवनिता नन्दा कुलजेन्द्रनिवासिनी॥ ८४॥
जयन्ती यमुनाङ्गी च यमुनातोषकारिणी।
कलिकल्मषभङ्गा च कलिकल्मषनाशिनी॥ ८५॥

कलिकल्मषरूपा च नित्यानन्दकरी कृपा।
कृपावती कुलवती कैलासाचलवासिनी ॥ ८६ ॥
वामदेवी वामभागा गोविन्दप्रियकारिणी।
नरेन्द्रकन्या योगेशी योगिनी योगरूपिणी ॥ ८७ ॥
योगसिद्धा सिद्धरूपा सिद्धक्षेत्रनिवासिनी।
क्षेत्राधिष्ठातृरूपा च क्षेत्रातीता कुलप्रदा ॥ ८८ ॥
केशवानन्ददात्री च केशवानन्ददायिनी।
केशवा केशवप्रीता केशवी केशवप्रिया ॥ ८९ ॥

रासक्रीडाकरी रासवासिनी राससुन्दरी।
गोकुलान्वितदेहा च गोकुलत्वप्रदायिनी ॥ ९० ॥
लवङ्गनाम्नी नारङ्गी नारङ्गकुलमण्डना।
एलालवङ्गकर्पूरमुखवासमुखान्विता ॥ ९१ ॥
मुख्या मुख्यप्रदा मुख्यरूपा मुख्यनिवासिनी।
नारायणी कृपातीता करुणामयकारिणी ॥ ९२ ॥
कारुण्या करुणा कर्णा गोकर्णा नागकर्णिका।
सर्पिणी कौलिनी क्षेत्रवासिनी जगदन्वया ॥ ९३ ॥

जटिला कुटिला नीला नीलाम्बरधरा शुभा।
नीलाम्बरविधात्री च नीलकण्ठप्रिया तथा॥ ९४॥
भगिनी भागिनी भोग्या कृष्णभोग्या भगेश्वरी।
बलेश्वरी बलाराध्या कान्ता कान्तनितम्बिनी॥ ९५॥
नितम्बिनी रूपवती युवती कृष्णपीवरी।
विभावरी वेत्रवती संकटा कुटिलालका॥ ९६॥
नारायणप्रिया शैला सृक्कणीपरिमोहिता।
दृक्पातमोहिता प्रातराशिनी नवनीतिका॥ ९७॥

नवीना नवनारी च नारङ्गफलशोभिता।
हैमी हेममुखी चन्द्रमुखी शशिसुशोभना॥ ९८ ॥
अर्द्धचन्द्रधरा चन्द्रवल्लभा रोहिणी तमिः।
तिमिंगिलकुलामोदमत्स्यरूपाङ्गहारिणी ॥ ९९ ॥
कारिणी सर्वभूतानां कार्यातीता किशोरिणी।
किशोरवल्लभा केशकारिका कामकारिका॥ १०० ॥
कामेश्वरी कामकला कालिन्दीकूलदीपिका॥ १०१ ॥
कलिन्दतनयातीरवासिनी तीरगेहिनी॥ १०२ ॥

कादम्बरीपानपरा कुसुमामोदधारिणी।
कुमुदा कुमुदानन्दा कृष्णोशी कामवल्लभा॥ १०३॥
तर्कालीं वैजयन्ती च निम्बदाडिम्बरूपिणी।
बिल्ववृक्षप्रिया कृष्णाम्बरा बिल्वोपमस्तनी॥ १०४॥
बिल्वात्मिका बिल्वबसुर्बिल्ववृक्षनिवासिनी।
तुलसीतोषिका तैतिलानन्दपरितोषिका॥ १०५॥
गजमुक्ता महामुक्ता महामुक्तिफलप्रदा।
अनङ्गमोहिनी शक्तिरूपा शक्तिस्वरूपिणी॥ १०६॥

पञ्चशक्तिस्वरूपा च शैशवानन्दकारिणी।
गजेन्द्रगामिनी श्यामलतानङ्गलता तथा॥ १०७॥
योषिच्छक्तिस्वरूपा च योषिदानन्दकारिणी।
प्रेमप्रिया प्रेमरूपा प्रेमानन्दतरङ्गिणी॥ १०८॥
प्रेमहारा प्रेमदात्री प्रेमशक्तिमयी तथा।
कृष्णप्रेमवती धन्या कृष्णप्रेमतरङ्गिणी॥ १०९॥
प्रेमभक्तिप्रदा प्रेमा प्रेमानन्दतरङ्गिणी।
प्रेमक्रीडापरीताङ्गी प्रेमभक्तितरङ्गिणी॥ ११०॥

प्रेमार्थदायिनी सर्वश्वेता नित्यतरङ्गिणी।
हावभावान्विता रौद्रा रुद्रानन्दप्रकाशिनी॥ १११॥
कपिला शृङ्खला केशपाशसम्बन्धिनी धटी।
कुटीरवासिनी धूम्रा धूम्रकेशा जलोदरी॥ ११२॥
ब्रह्माण्डगोचरा ब्रह्मस्वरूपिणी भवभाविनी।
संसारनाशिनी शैवा शैवलानन्ददायिनी॥ ११३॥
शिशिरा हेमरागाढ्या मेघरूपातिसुन्दरी।
मनोरमा वेगवती वेगाढ्या वेदवादिनी॥ ११४॥

दयान्विता दयाधारा दयारूपा सुसेविनी।
किशोरसङ्गसंसर्गा गौरचन्द्रानना कला॥ ११५॥
कलाधिनाथवदना कलानाथाधिरोहिणी।
विरागकुशला हेमपिङ्गला हेममण्डना॥ ११६॥
भाण्डीरतालवनगा कैवर्ती पीवरी शुकी।
शुकदेवगुणातीता शुकदेवप्रिया सखी॥ ११७॥
विकलोत्कर्षिणी कोषा कौशेयाम्बरधारिणी।
कौषावरी कोषरूपा जगदुत्पत्तिकारिका॥ ११८॥

सृष्टिस्थितिकरी संहारिणी संहारकारिणी।
केशशैवलधात्री च चन्द्रगात्रा सुकोमला॥ ११९॥
पद्माङ्गरागसंरागा विन्ध्याद्रिपरिवासिनी।
विन्ध्यालया श्यामसखी सखीसंसाररागिणी॥ १२०॥
भूता भविष्या भव्या च भव्यगात्रा भवातिगा।
भवनाशान्तकारिण्याकाशरूपा सुवेशिनी॥ १२१॥
रतिरङ्गपरित्यागा रतिवेगा रतिप्रदा।
तेजस्विनी तेजोरूपा कैवल्यपथदा शुभा॥ १२२॥

भक्तिहेतुर्मुक्तिहेतुर्लङ्घिनी लङ्घनक्षमा।
विशालनेत्रा वैशाली विशालकुलसम्भवा॥ १२३॥
विशालगृहवासा च विशालबदरीरतिः।
भक्त्यतीता भक्तिगतिर्भक्तिका शिवभक्तिदा॥ १२४॥
शिवभक्तिस्वरूपा च शिवार्द्धाङ्गविहारिणी।
शिरीषकुसुमामोदा शिरीषकुसुमोज्ज्वला॥ १२५॥
शिरीषमृद्वी शैरीषी शिरीषकुसुमाकृतिः।
वामाङ्गहारिणी विष्णोः शिवभक्तिसुखान्विता॥ १२६॥

विजिता विजितामोदा गणगा गणतोषिता।
हयास्या हेरम्बसुता गणमाता सुखेश्वरी॥ १२७॥
दुःखहन्त्री दुःखहरा सेवितेप्सितसर्वदा।
सर्वज्ञत्वविधात्री च कुलक्षेत्रनिवासिनी॥ १२८॥
लवङ्गा पाण्डवसखी सखीमध्यनिवासिनी।
ग्राम्यगीता गया गम्या गमनातीतनिर्भरा॥ १२९॥
सर्वाङ्गसुन्दरी गङ्गा गङ्गाजलमया तथा।
गङ्गेरिता पूतगात्रा पवित्रकुलदीपिका॥ १३०॥

पवित्रगुणशीलाढ्या पवित्रानन्ददायिनी।
पवित्रगुणसीमाढ्या पवित्रकुलदीपिनी॥ १३१ ॥
कल्पमाना कंसहरा विन्ध्याचलनिवासिनी॥ १३२ ॥
गोवर्द्धनेश्वरी गोवर्द्धनहास्या हयाकृतिः॥ १३३ ॥
मीनावतारा मीनेशी गगनेशी हया गजी।
हरिणी हारिणी हारधारिणी कनकाकृतिः॥ १३४॥
विद्युत्प्रभा विप्रमाता गोपमाता गयेश्वरी।
गवेश्वरी गवेशी च गवीशी गतिवासिनी॥ १३५॥

गतिज्ञा गीतकुशला दनुजेन्द्रनिवारिणी।
निर्वाणधात्री नैर्वाणी हेतुयुक्ता गयोत्तरा॥ १३६॥
पर्वताधिनिवासा च निवासकुशला तथा।
संन्यासधर्मकुशला संन्यासेशी शरन्मुखी॥ १३७॥
शरच्चन्द्रमुखी श्यामहारा क्षेत्रनिवासिनी।
वसन्तरागसंरागा वसन्तवसनाकृतिः॥ १३८॥
चतुर्भुजा षड्भुजा च द्विभुजा गौरविग्रहा।
सहस्त्रास्या विहास्या च मुद्रास्या मुददायिनी॥ १३९॥

प्राणप्रिया प्राणरूपा प्राणरूपिण्यपावृता ।
कृष्णप्रीता कृष्णरता कृष्णतोषणतत्परा ॥ १४० ॥
कृष्णप्रेमरता कृष्णभक्ता भक्तफलप्रदा ।
कृष्णप्रेमा प्रेमभक्ता हरिभक्तिप्रदायिनी ॥ १४१ ॥
चैतन्यरूपा चैतन्यप्रिया चैतन्यरूपिणी ।
उग्ररूपा शिवक्रोडा कृष्णक्रोडा जलोदरी ॥ १४२ ॥
महोदरी महादुर्गकान्तारसुस्थवासिनी ।
चन्द्रावली चन्द्रकेशी चन्द्रप्रेमतरङ्गिणी ॥ १४३ ॥

समुद्रमथनोद्भूता समुद्रजलवासिनी।
समुद्रामृतरूपा च समुद्रजलवासिका॥ १४४॥
केशपाशरता निद्रा क्षुधा प्रेमतरङ्गिका।
दूर्वादलश्यामतनुर्दूर्वादलतनुच्छविः ॥ १४५॥
नागरी नागराराागा नागरानन्दकारिणी।
नागरालिङ्गनपरा नागराङ्गणमङ्गला॥ १४६॥
उच्चनीचा हैमवतीप्रिया कृष्णातरङ्गदा।
प्रेमालिङ्गनसिद्धाङ्गी सिद्धसाध्यविलासिका॥ १४७॥

मङ्गलामोदजननी मेखलामोदधारिणी।
रत्नमञ्जीरभूषाङ्गी रत्नभूषणभूषणा॥ १४८॥
जम्बालमालिका कृष्णप्राणा प्राणविमोचना।
सत्यप्रदा सत्यवती सेवकानन्ददायिका॥ १४९॥
जगद्योनिर्जगद्बीजा विचित्रमणिभूषणा।
राधारमणकान्ता च राध्या राधनरूपिणी॥ १५०॥
कैलासवासिनी कृष्णप्राणसर्वस्वदायिनी।
कृष्णावतारनिरता कृष्णभक्तफलार्थिनी॥ १५१॥

याचकायाचकानन्दकारिणी याचकोज्ज्वला।
हरिभूषणभूषाढ्याऽऽनन्दयुक्ताऽऽर्द्रपादगा ॥ १५२ ॥
है-है-तालधरा थै-थै-शब्दशक्तिप्रकाशिनी।
हे-हे-शब्दस्वरूपा च ही-ही-वाक्यविशारदा ॥ १५३ ॥
जगदानन्दकर्त्री च सान्द्रानन्दविशारदा।
पण्डिता पण्डितगुणा पण्डितानन्दकारिणी ॥ १५४ ॥
परिपालनकर्त्री च तथा स्थितिविनोदिनी।
तथा संहारशब्दाढ्या विद्वज्जनमनोहरा ॥ १५५ ॥

विदुषां प्रीतिजननी विद्वत्प्रेमविवर्द्धिनी।
नादेशी नादरूपा च नादबिन्दुविधारिणी॥ १५६॥
शून्यस्थानस्थिता शून्यरूपपादपवासिनी।
कार्तिकव्रतकर्त्री च वसनाहारिणी तथा॥ १५७॥
जलाशया जलतला शिलातलनिवासिनी।
क्षुद्रकीटाङ्गसंसर्गा सङ्गदोषविनाशिनी॥ १५८॥
कोटिकंदर्पलावण्या कोटिकंदर्पसुन्दरी।
कंदर्पकोटिजननी कामबीजप्रदायिनी॥ १५९॥

कामशास्त्रविनोदा च कामशास्त्रप्रकाशिनी।
कामप्रकाशिका कामिन्यणिमाद्यष्टसिद्धिदा॥ १६०॥
यामिनी यामिनीनाथवदना यामिनीश्वरी।
यागयोगहरा भुक्तिमुक्तिदात्री हिरण्यदा॥ १६१॥
कपालमालिनी देवी धामरूपिण्यपूर्वदा।
कृपान्विता गुणागौण्या गुणातीतफलप्रदा॥ १६२॥
कूष्माण्डभूतवेतालनाशिनी शरदान्विता।
शीतला शबला हेला लीला लावण्यमङ्गला॥ १६३॥

विद्यार्थिनी विद्यमाना विद्या विद्यास्वरूपिणी।
आन्वीक्षिकी शास्त्ररूपा शास्त्रसिद्धान्तकारिणी ॥ १६४ ॥
नागेन्द्रा नागमाता च क्रीडाकौतुकरूपिणी।
हरिभावनशीला च हरितोषणतत्परा ॥ १६५ ॥
हरिप्राणा हरप्राणा शिवप्राणा शिवान्विता।
नरकार्णवसंहर्त्री नरकार्णवनाशिनी ॥ १६६ ॥
नरेश्वरी नरातीता नरसेव्या नराङ्गना।
यशोदानन्दनप्राणवल्लभा हरिवल्लभा ॥ १६७ ॥

यशोदानन्दनारम्या यशोदानन्दनेश्वरी।
यशोदानन्दनाक्रीडा यशोदाक्रोडवासिनी॥ १६८॥
यशोदानन्दनप्राणा यशोदानन्दनार्थदा।
वत्सला कोशला काला करुणार्णवरूपिणी॥ १६९॥
स्वर्गलक्ष्मीर्भूमिलक्ष्मीर्द्रौपदी पाण्डवप्रिया।
तथार्जुनसखी भौमी भैमी भीमकुलोद्भवा॥ १७०॥
भुवनामोहना क्षीणा पानासक्ततरा तथा।
पानार्थिनी पानपात्रा पानपानन्ददायिनी॥ १७१॥

दुग्धमन्थनकर्माढ्या दधिमन्थनतत्परा।
दधिभाण्डार्थिनी कृष्णक्रोधिनी नन्दनाङ्गना॥ १७२॥
घृतलिप्ता तक्रयुक्ता यमुनापारकौतुका।
विचित्रकथका कृष्णहास्यभाषणतत्परा॥ १७३॥
गोपाङ्गनावेष्टिता च कृष्णसङ्गार्थिनी तथा।
राससक्ता रासरतिरासवासक्तवासना॥ १७४॥
हरिद्रा हारिता हारिण्यानन्दार्पितचेतना।
निश्चैतन्या च निश्चेता तथा दारुहरिद्रिका॥ १७५॥

सुबलस्य स्वसा कृष्णभार्या भाषातिवेगिनी।
श्रीदामस्य सखी दामदामिनी दामधारिणी ॥ १७६ ॥
कैलासिनी केशिनी च हरिदम्बरधारिणी।
हरिसांनिध्यदात्री च हरिकौतुकमङ्गला ॥ १७७ ॥
हरिप्रदा हरिद्वारा यमुनाजलवासिनी।
जैत्रप्रदा जितार्थी च चतुरा चातुरी तमी ॥ १७८ ॥
तमिस्त्राऽऽतपरूपा च रौद्ररूपा यशोऽर्थिनी।
कृष्णार्थिनी कृष्णकला कृष्णानन्दविधायिनी ॥ १७९ ॥

कृष्णार्थवासना कृष्णरागिणी भवभाविनी।
कृष्णार्थरहिता भक्ता भक्तभक्तिशुभप्रदा॥ १८०॥
श्रीकृष्णरहिता दीना तथा विरहिणी हरेः।
मथुरा मथुराराजगेहभावनभावना॥ १८१॥
श्रीकृष्णभावना मोदा तथोन्मादविधायिनी।
कृष्णार्थव्याकुला कृष्णसारचर्मधरा शुभा॥ १८२॥
अलकेश्वरपूज्या च कुबेरेश्वरवल्लभा।
धनधान्यविधात्री च जाया काया हया हयी॥ १८३॥

प्रणवा प्रणवेशी च प्रणवार्थस्वरूपिणी।
ब्रह्मविष्णुशिवार्धाङ्गहारिणी शैवशिंशपा॥ १८४॥
राक्षसीनाशिनी भूतप्रेतप्राणविनाशिनी।
सकलेप्सितदात्री च शची साध्वी अरुन्धती॥ १८५॥
पतिव्रता पतिप्राणा पतिवाक्यविनोदिनी।
अशेषासाधिनी कल्पवासिनी कल्परूपिणी॥ १८६॥

अथ फलश्रुतिः

इत्येतत् कथितं देवि राधानामसहस्त्रकम्।
यः पठेत् पाठयेद्वापि तस्य तुष्यति माधवः॥ १८७॥
किं तस्य यमुनाभिर्वा नदीभिः सर्वतः प्रिये।
कुरुक्षेत्रादितीर्थैश्च यस्य तुष्टो जनार्दनः॥ १८८॥
स्तोत्रस्यास्य प्रसादेन किं न सिध्यति भूतले।
ब्राह्मणो ब्रह्मवर्चाः स्यात् क्षत्रियो जगतीपतिः॥ १८९॥

वैश्यो निधिपतिर्भूयात् शूद्रो मुच्येत जन्मतः।
ब्रह्महत्यासुरापानस्तेयादेरतिपातकात् ॥ १९० ॥
सद्यो मुच्येत देवेशि सत्यं सत्यं न संशयः।
राधानामसहस्त्रस्य समानं नास्ति भूतले ॥ १९१ ॥
स्वर्गे वाप्यथ पाताले गिरौ वा जलतोऽपि वा।
नातः परं शुभं स्तोत्रं तीर्थं नातः परं परम् ॥ १९२ ॥
एकादश्यां शुचिर्भूत्वा यः पठेत् सुसमाहितः।
तस्य सर्वार्थसिद्धिः स्यात् शृणुयाद् वा सुशोभने।

द्वादश्यां पौर्णमास्यां वा तुलसीसंनिधौ शिवे।
यः पठेच्छृणुयाद्वापि तस्य तत्तत् फलं शृणु॥ ११३॥
अश्वमेधं राजसूयं बार्हस्पत्यं तथाऽऽत्रिकम्।
अतिरात्रं वाजपेयमग्निष्टोमं तथा शुभम्॥ ११४॥
कृत्वा यत्फलमाप्नोति श्रुत्वा तत्फलमाप्नुयात्।
कार्तिके चाष्टमीं प्राप्य पठेद्वा शृणुयादपि॥ ११५॥
सहस्त्रयुगकल्पान्तं वैकुण्ठवसतिं लभेत्।
ततश्च ब्रह्मभवने शिवस्य भवने पुनः॥ ११६॥

सुराधिनाथभवने पुनर्याति सलोकताम्।
गङ्गातीरं समासाद्य यः पठेच्छृणुयादपि॥ १९७॥
विष्णोः सारूप्यमायाति सत्यं सत्यं सुरेश्वरि।
मम वक्त्रगिरेर्जाता पार्वतीवदनाश्रिता॥ १९८॥
राधानामसहस्राख्या नदी त्रैलोक्यपावनी।
पठ्यते हि मया नित्यं भक्त्या शक्त्या यथोचितम्॥ १९९॥
मम प्राणसमं ह्यन्यत् तव प्रीत्या प्रकाशितम्।
नाभक्ताय प्रदातव्यं पाखण्डाय कदाचन॥ २००॥

नास्तिकाय विरागाय रागयुक्ताय सुन्दरि।
तथा देयं महास्तोत्रं हरिभक्ताय शंकरि॥ २०१॥
वैष्णवेषु यथाशक्तिदात्रे पुण्यार्थशालिने॥ २०२॥
राधानामसुधावारि मम वक्त्रसुधाम्बुधेः।
उद्धृतासौ त्वया यत्नाद् यतस्त्वं वैष्णवाग्रणीः॥ २०३॥
विशुद्धसत्त्वाय यथार्थवादिने
द्विजस्य सेवानिरताय मन्त्रिणे।

दात्रे यथाशक्ति सुभक्तिमानसे
राधापदध्यानपराय शोभने ॥ २०४ ॥
हरिपादाङ्कमधुपमनोभूताय मानसे।
राधापादसुधास्वादशालिने वैष्णवाय च ॥ २०५ ॥
दद्यात् स्तोत्रं महापुण्यं हरिभक्तिप्रसाधनम्।
जन्मान्तरं न पश्यन्ति राधाकृष्णपदार्थिनः ॥ २०६ ॥
मम प्राणा वैष्णवा हि तेषां रक्षार्थमेव हि।
शूलं मया धार्यते हि नान्यथा मेऽत्र कारणम् ॥ २०७ ॥

हरिभक्तिद्विषामर्थे शूलं संधार्यते मया।
शृणु देवि यथार्थं मे गदितं मयि सुव्रते॥ २०८॥

भक्तासि मे प्रियासि त्वमतः स्नेहात् प्रकाशितम्।
कदापि नोच्यते देवि मया नामसहस्त्रकम्॥ २०९॥

इति श्रीनारदपाञ्चरात्रे ज्ञानामृतसारे श्रीराधिकासहस्त्रनामस्तोत्रं समाप्तम्॥



॥ श्रीराधिकायै नमः॥

श्रीराधिकासहस्त्रनामावलिः

१ ॐ श्रीराधायै नमः।

२ ॐ राधिकायै नमः।

३ ॐ कृष्णवल्लभायै नमः।

४ ॐ कृष्णसंयुतायै नमः।

५ ॐ वृन्दावनेश्वर्यै नमः।

६ ॐ कृष्णप्रियायै नमः।

७ ॐ मदनमोहिन्यै नमः।

८ ॐ श्रीमत्यै कृष्णकान्तायै नमः।

९ ॐ कृष्णानन्दप्रदायिन्यै नमः।

१० ॐ यशस्विन्यै नमः।

११ ॐ यशोगम्यायै नमः।

१२ ॐ यशोदानन्दवल्लभायै नमः।

१३ ॐ दामोदरप्रियायै नमः।
१४ ॐ गोप्यै नमः।
१५ ॐ गोपानन्दकर्यै नमः।
१६ ॐ कृष्णाङ्गवासिन्यै नमः।
१७ ॐ हृद्यायै नमः।
१८ ॐ हरिकान्तायै नमः।
१९ ॐ हरिप्रियायै नमः।
२० ॐ प्रधानगोपिकायै नमः।
२१ ॐ गोपकन्यायै नमः।
२२ ॐ त्रैलोक्यसुन्दर्यै नमः।
२३ ॐ वृन्दावनविहारिण्यै नमः।
२४ ॐ विकसितमुखाम्बुजायै नमः।
२५ ॐ गोकुलानन्दकर्त्र्यै नमः।
२६ ॐ गोकुलानन्ददायिन्यै नमः।
२७ ॐ गतिप्रदायै नमः।
२८ ॐ गीतगम्यायै नमः।

२९ ॐ गमनागमनप्रियायै नमः।
३० ॐ विष्णुप्रियायै नमः।
३१ ॐ विष्णुकान्तायै नमः।
३२ ॐ विष्णोरङ्कनिवासिन्यै नमः।
३३ ॐ यशोदानन्दपत्न्यै नमः।
३४ ॐ यशोदानन्दगेहिन्यै नमः।
३५ ॐ कामारिकान्तायै नमः।
३६ ॐ कामेश्यै नमः।
३७ ॐ कामलालसविग्रहायै नमः।
३८ ॐ जयप्रदायै नमः।
३९ ॐ जयायै नमः।
४० ॐ जीवायै नमः।
४१ ॐ जीवानन्दप्रदायिन्यै नमः।
४२ ॐ नन्दनन्दनपत्न्यै नमः।
४३ ॐ वृषभानुसुतायै नमः।
४४ ॐ शिवायै नमः।

४५ ॐ गणाध्यक्षायै नमः।
४६ ॐ गवाध्यक्षायै नमः।
४७ ॐ गवामनुत्तमायै गत्यै नमः।
४८ ॐ काञ्चनाभायै नमः।
४९ ॐ हेमगात्रायै नमः।
५० ॐ काञ्चनाङ्गदधारिण्यै नमः।
५१ ॐ अशोकायै नमः।
५२ ॐ शोकरहितायै नमः।
५३ ॐ विशोकायै नमः।
५४ ॐ शोकनाशिन्यै नमः।
५५ ॐ गायत्र्यै नमः।
५६ ॐ वेदमात्रे नमः।
५७ ॐ वेदातीतायै नमः।
५८ ॐ विदुत्तमायै नमः।
५९ ॐ नीतिशास्त्रप्रियायै नमः।
६० ॐ नीत्यै नमः।

६१ ॐ गत्यै नमः।
६२ ॐ मत्यै नमः।
६३ ॐ अभीष्टदायै नमः।
६४ ॐ वेदप्रियायै नमः।
६५ ॐ वेदगर्भायै नमः।
६६ ॐ वेदमार्गप्रवर्द्धिन्यै नमः।
६७ ॐ वेदगम्यायै नमः।
६८ ॐ वेदपरायै नमः।
६९ ॐ विचित्रकनकोज्ज्वलायै नमः।
७० ॐ उज्ज्वलप्रदायै नमः।
७१ ॐ नित्यायै नमः।
७२ ॐ उज्ज्वलगात्रिकायै नमः।
७३ ॐ नन्दप्रियायै नमः।
७४ ॐ नन्दसुताराध्यायै नमः।
७५ ॐ आनन्दप्रदायै नमः।
७६ ॐ शुभायै नमः।

७७ ॐ शुभाङ्ग्यै नमः।
७८ ॐ विमलाङ्ग्यै नमः।
७९ ॐ विलासिन्यै नमः।
८० ॐ अपराजितायै नमः।
८१ ॐ जनन्यै नमः।
८२ ॐ जन्मशून्यायै नमः।
८३ ॐ जन्ममृत्युजरापहायै नमः।
८४ ॐ गतिमतां गत्यै नमः।
८५ ॐ धात्र्यै नमः।
८६ ॐ धात्र्यानन्दप्रदायिन्यै नमः।
८७ ॐ जगन्नाथप्रियायै नमः।
८८ ॐ शैलवासिन्यै नमः।
८९ ॐ हेमसुन्दर्यै नमः।
९० ॐ किशोर्यै नमः।
९१ ॐ कमलायै नमः।
९२ ॐ पद्मायै नमः।

९३ ॐ पद्महस्तायै नमः।
९४ ॐ पयोददायै नमः।
९५ ॐ पयस्विन्यै नमः।
९६ ॐ पयोदात्र्यै नमः।
९७ ॐ पवित्रायै नमः।
९८ ॐ सर्वमङ्गलायै नमः।
९९ ॐ महाजीवप्रदायै नमः।
१०० ॐ कृष्णकान्तायै नमः।
१०१ ॐ कमलसुन्दर्यै नमः।
१०२ ॐ विचित्रवासिन्यै नमः।
१०३ ॐ चित्रवासिन्यै नमः।
१०४ ॐ चित्ररूपिण्यै नमः।
१०५ ॐ निर्गुणायै नमः।
१०६ ॐ सुकुलीनायै नमः।
१०७ ॐ निष्कुलीनायै नमः।
१०८ ॐ निराकुलायै नमः।

१०९ ॐ गोकुलान्तरगेहायै नमः।
११० ॐ योगानन्दकर्यै नमः।
१११ ॐ वेणुवाद्यायै नमः।
११२ ॐ वेणुरत्यै नमः।
११३ ॐ वेणुवाद्यपरायणायै नमः।
११४ ॐ गोपालस्य प्रियायै नमः।
११५ ॐ सौम्यरूपायै नमः।
११६ ॐ सौम्यकुलोद्वहायै नमः।
११७ ॐ मोहामोहायै नमः।
११८ ॐ विमोहायै नमः।
११९ ॐ गतिनिष्ठायै नमः।
१२० ॐ गतिप्रदायै नमः।
१२१ ॐ गीर्वाणवन्द्यायै नमः।
१२२ ॐ गीर्वाणायै नमः।
१२३ ॐ गीर्वाणगणसेवितायै नमः।
१२४ ॐ ललितायै नमः।

१२५ ॐ विशोकायै नमः।
१२६ ॐ विशाखायै नमः।
१२७ ॐ चित्रमालिन्यै नमः।
१२८ ॐ जितेन्द्रियायै नमः।
१२९ ॐ शुद्धसत्त्वायै नमः।
१३० ॐ कुलीनायै नमः।
१३१ ॐ कुलदीपिकायै नमः।
१३२ ॐ दीपप्रियायै नमः।
१३३ ॐ दीपदात्र्यै नमः।
१३४ ॐ विमलायै नमः।
१३५ ॐ विमलोदकायै नमः।
१३६ ॐ कान्तारवासिन्यै नमः।
१३७ ॐ कृष्णायै नमः।
१३८ ॐ कृष्णचन्द्रप्रियायै नमः।
१३९ ॐ मत्यै नमः।
१४० ॐ अनुत्तरायै नमः।

१४१ ॐ दुःखहन्त्र्यै नमः।
१४२ ॐ दुःखकर्त्र्यै नमः।
१४३ ॐ कुलोद्वहायै नमः।
१४४ ॐ मत्यै नमः।
१४५ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
१४६ ॐ धृत्यै नमः।
१४७ ॐ लज्जायै नमः।
१४८ ॐ कान्त्यै नमः।
१४९ ॐ पुष्ट्यै नमः।
१५० ॐ स्मृत्यै नमः।
१५१ ॐ क्षमायै नमः।
१५२ ॐ क्षीरोदशायिन्यै नमः।
१५३ ॐ देव्यै नमः।
१५४ ॐ देवारिकुलमर्दिन्यै नमः।
१५५ ॐ वैष्णव्यै नमः।
१५६ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।

१५७ ॐ कुलपूज्यायै नमः।
१५८ ॐ कुलप्रियायै नमः।
१५९ ॐ सर्वदैत्यानां संहर्त्र्यै नमः।
१६० ॐ सावित्र्यै नमः।
१६१ ॐ वेदगामिन्यै नमः।
१६२ ॐ वेदातीतायै नमः।
१६३ ॐ निरालम्बायै नमः।
१६४ ॐ निरालम्बगणप्रियायै नमः।
१६५ ॐ निरालम्बजनैः पूज्यायै नमः।
१६६ ॐ निरालोकायै नमः।
१६७ ॐ निराश्रयायै नमः।
१६८ ॐ एकाङ्ग्यै नमः।
१६९ ॐ सर्वगायै नमः।
१७० ॐ सेव्यायै नमः।
१७१ ॐ ब्रह्मपत्न्यै नमः।
१७२ ॐ सरस्वत्यै नमः।

१७३ ॐ रासप्रियायै नमः।
१७४ ॐ रासगम्यायै नमः।
१७५ ॐ रासाधिष्ठातृदेवतायै नमः।
१७६ ॐ रसिकायै नमः।
१७७ ॐ रसिकानन्दायै नमः।
१७८ ॐ स्वयं रासेश्वर्यै परस्यै नमः।
१७९ ॐ रासमण्डलमध्यस्थायै नमः।
१८० ॐ रासमण्डलशोभितायै नमः।
१८१ ॐ रासमण्डलसेव्यायै नमः।
१८२ ॐ रासक्रीडामनोहरायै नमः।
१८३ ॐ पुण्डरीकाक्षनिलयायै नमः।
१८४ ॐ पुण्डरीकाक्षगेहिन्यै नमः।
१८५ ॐ पुण्डरीकाक्षसेव्यायै नमः।
१८६ ॐ पुण्डरीकाक्षवल्लभायै नमः।
१८७ ॐ सर्वजीवेश्वर्यै नमः।
१८८ ॐ सर्वजीववन्द्यायै नमः।

१८९ ॐ परात्परस्यै नमः।
१९० ॐ प्रकृत्यै नमः।
१९१ ॐ शम्भुकान्तायै नमः।
१९२ ॐ सदाशिवमनोहरायै नमः।
१९३ ॐ क्षुते नमः।
१९४ ॐ पिपासायै नमः।
१९५ ॐ दयायै नमः।
१९६ ॐ निद्रायै नमः।
१९७ ॐ भ्रान्त्यै नमः।
१९८ ॐ श्रान्त्यै नमः।
१९९ ॐ क्षमाकुलायै नमः।
२०० ॐ वधूरूपायै नमः।
२०१ ॐ गोपपत्न्यै नमः।
२०२ ॐ भारत्यै नमः।
२०३ ॐ सिद्धयोगिन्यै नमः।
२०४ ॐ सत्यरूपायै नमः।

२०५ ॐ नित्यरूपायै नमः।
२०६ ॐ नित्याङ्ग्यै नमः।
२०७ ॐ नित्यगेहिन्यै नमः।
२०८ ॐ स्थानदात्र्यै नमः।
२०९ ॐ धात्र्यै नमः।
२१० ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
२११ ॐ स्वयंप्रभायै नमः।
२१२ ॐ सिन्धुकन्यायै नमः।
२१३ ॐ आस्थानदात्र्यै नमः।
२१४ ॐ द्वारकावासिन्यै नमः।
२१५ ॐ बुद्ध्यै नमः।
२१६ ॐ स्थित्यै नमः।
२१७ ॐ स्थानरूपायै नमः।
२१८ ॐ सर्वकारणकारणायै नमः।
२१९ ॐ भक्तप्रियायै नमः।
२२० ॐ भक्तगम्यायै नमः।

२२१ ॐ भक्तानन्दप्रदायिन्यै नमः।
२२२ ॐ भक्तकल्पद्रुमातीतायै नमः।
२२३ ॐ अतीतगुणायै नमः।
२२४ ॐ मनोऽधिष्ठातृदेव्यै नमः।
२२५ ॐ कृष्णप्रेमपरायणायै नमः।
२२६ ॐ निरामयायै नमः।
२२७ ॐ सौम्यदात्र्यै नमः।
२२८ ॐ मदनमोहिन्यै नमः।
२२९ ॐ एकानंशाशिवायै नमः।
२३० ॐ क्षेमायै नमः।
२३१ ॐ दुर्गायै नमः।
२३२ ॐ दुर्गतिनाशिन्यै नमः।
२३३ ॐ ईश्वर्यै नमः।
२३४ ॐ सर्ववन्द्यायै नमः।
२३५ ॐ गोपनीयायै नमः।
२३६ ॐ शुभङ्कर्यै नमः।

२३७ ॐ सर्वभूतानां पालिन्यै नमः।
२३८ ॐ कामाङ्गहारिण्यै नमः।
२३९ ॐ सद्यो मुक्तिप्रदायै नमः।
२४० ॐ देव्यै नमः।
२४१ ॐ वेदसारायै नमः।
२४२ ॐ परात्परस्यै नमः।
२४३ ॐ हिमालयसुतायै नमः।
२४४ ॐ सर्वस्यै नमः।
२४५ ॐ पार्वत्यै नमः।
२४६ ॐ गिरिजायै नमः।
२४७ ॐ सत्यै नमः।
२४८ ॐ दक्षकन्यायै नमः।
२४९ ॐ देवमात्रे नमः।
२५० ॐ मन्दलज्जायै नमः।
२५१ ॐ हरेस्तन्वै नमः।
२५२ ॐ वृन्दारण्यप्रियायै नमः।

२५३ ॐ वृन्दायै नमः।
२५४ ॐ वृन्दावनविलासिन्यै नमः।
२५५ ॐ विलासिन्यै नमः।
२५६ ॐ वैष्णव्यै नमः।
२५७ ॐ ब्रह्मलोकप्रतिष्ठितायै नमः।
२५८ ॐ रुक्मिमण्यै नमः।
२५९ ॐ रेवत्यै नमः।
२६० ॐ सत्यभामायै नमः।
२६१ ॐ जाम्बवत्यै नमः।
२६२ ॐ सुलक्ष्मणायै नमः।
२६३ ॐ मित्रविन्दायै नमः।
२६४ ॐ कालिन्द्यै नमः।
२६५ ॐ जह्नुकन्यकायै नमः।
२६६ ॐ परिपूर्णायै नमः।
२६७ ॐ पूर्णतरायै नमः।
२६८ ॐ हैमवत्यै नमः।

२६९ ॐ गत्यै नमः।

२७० ॐ अपूर्वायै नमः।

२७१ ॐ ब्रह्मरूपायै नमः।

२७२ ॐ ब्रह्माण्डपरिपालिन्यै नमः।

२७३ ॐ ब्रह्माण्डभाण्डमध्यस्थायै नमः।

२७४ ॐ ब्रह्माण्डभाण्डरूपिण्यै नमः।

२७५ ॐ अण्डरूपायै नमः।

२७६ ॐ अण्डमध्यस्थायै नमः।

२७७ ॐ अण्डपरिपालिन्यै नमः।

२७८ ॐ अण्डबाह्यायै नमः।

२७९ ॐ अण्डसंहर्त्र्यै नमः।

२८० ॐ शिवब्रह्महरिप्रियायै नमः।

२८१ ॐ महाविष्णुप्रियायै नमः।

२८२ ॐ कल्पवृक्षरूपायै नमः।

२८३ ॐ निरन्तरायै नमः।

२८४ ॐ सारभूतायै नमः।

२८५ ॐ स्थिरायै नमः।
२८६ ॐ गौर्यै नमः।
२८७ ॐ गौराङ्ग्यै नमः।
२८८ ॐ शशिशेखरायै नमः।
२८९ ॐ श्वेतचम्पकवर्णाभायै नमः।
२९० ॐ शशिकोटिसमप्रभायै नमः।
२९१ ॐ मालतीमाल्यभूषाढ्यायै नमः।
२९२ ॐ मालतीमाल्यधारिण्यै नमः।
२९३ ॐ कृष्णस्तुतायै नमः।
२९४ ॐ कृष्णकान्तायै नमः।
२९५ ॐ वृन्दावनविलासिन्यै नमः।
२९६ ॐ तुलस्यधिष्ठातृदेव्यै नमः।
२९७ ॐ संसारार्णवपारदायै नमः।
२९८ ॐ सारदायै नमः।
२९९ ॐ आहारदायै नमः।
३०० ॐ अम्भोदायै नमः।

३०१ ॐ यशोदायै नमः।
३०२ ॐ गोपनन्दिन्यै नमः।
३०३ ॐ अतीतगमनायै नमः।
३०४ ॐ गौर्यै नमः।
३०५ ॐ परानुग्रहकारिण्यै नमः।
३०६ ॐ करुणार्णवसम्पूर्णायै नमः।
३०७ ॐ करुणार्णवधारिण्यै नमः।
३०८ ॐ माधव्यै नमः।
३०९ ॐ माधवमनोहारिण्यै नमः।
३१० ॐ श्यामवल्लभायै नमः।
३११ ॐ अन्धकारभयध्वस्तायै नमः।
३१२ ॐ मङ्गल्यायै नमः।
३१३ ॐ मङ्गलप्रदायै नमः।
३१४ ॐ श्रीगर्भायै नमः।
३१५ ॐ श्रीप्रदायै नमः।
३१६ ॐ श्रीशायै नमः।

३१७ ॐ श्रीनिवासायै नमः।
३१८ ॐ अच्युतप्रभायै नमः।
३१९ ॐ श्रीरूपायै नमः।
३२० ॐ श्रीहरायै नमः।
३२१ ॐ श्रीदायै नमः।
३२२ ॐ श्रीकामायै नमः।
३२३ ॐ श्रीस्वरूपिण्यै नमः।
३२४ ॐ श्रीदामानन्ददात्र्यै नमः।
३२५ ॐ श्रीदामेश्वरवल्लभायै नमः।
३२६ ॐ श्रीनितम्बायै नमः।
३२७ ॐ श्रीगणेशायै नमः।
३२८ ॐ श्रीस्वरूपाश्रितायै नमः।
३२९ ॐ श्रुत्यै नमः।
३३० ॐ श्रीक्रियारूपिण्यै नमः।
३३१ ॐ श्रीलायै नमः।
३३२ ॐ श्रीकृष्णभजनान्वितायै नमः।

३३३ ॐ श्रीराधायै नमः।
३३४ ॐ श्रीमत्यै नमः।
३३५ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
३३६ ॐ श्रेष्ठरूपायै नमः।
३३७ ॐ श्रुतिप्रियायै नमः।
३३८ ॐ योगेश्यै नमः।
३३९ ॐ योगमात्रे नमः।
३४० ॐ योगातीतायै नमः।
३४१ ॐ युगप्रियायै नमः।
३४२ ॐ योगप्रियायै नमः।
३४३ ॐ योगगम्यायै नमः।
३४४ ॐ योगिनीगणवन्दितायै नमः।
३४५ ॐ जवाकुसुमसंकाशायै नमः।
३४६ ॐ दाडिमीकुसुमोपमायै नमः।
३४७ ॐ नीलाम्बरधरायै नमः।
३४८ ॐ धीरायै नमः।

३४९ ॐ धैर्यरूपधराधृत्यै नमः।
३५० ॐ रत्नसिंहासनस्थायै नमः।
३५१ ॐ रत्नकुण्डलभूषितायै नमः।
३५२ ॐ रत्नालङ्कारसंयुक्तायै नमः।
३५३ ॐ रत्नमालाधरायै नमः।
३५४ ॐ परस्यै नमः।
३५५ ॐ रत्नेन्द्रसारहाराढ्यायै नमः।
३५६ ॐ रत्नमालाविभूषितायै नमः।
३५७ ॐ इन्द्रनीलमणिन्यस्तपादपद्म-
शुभायै नमः।
३५८ ॐ शुच्यै नमः।
३५९ ॐ कार्तिक्यै नमः।
३६० ॐ पौर्णमास्यै नमः।
३६१ ॐ अमावस्यायै नमः।
३६२ ॐ भयापघ्न्यै नमः।
३६३ ॐ गोविन्दराजगृहिण्यै नमः।

३६४ ॐ गोविन्दगणपूजितायै नमः ।
३६५ ॐ वैकुण्ठनाथगृहिण्यै नमः ।
३६६ ॐ वैकुण्ठपरमालयायै नमः ।
३६७ ॐ वैकुण्ठदेवदेवाढ्यायै नमः ।
३६८ ॐ वैकुण्ठसुन्दर्यै नमः ।
३६९ ॐ मदालसायै नमः ।
३७० ॐ वेदवत्यै नमः ।
३७१ ॐ सीतायै नमः ।
३७२ ॐ साध्व्यै नमः ।
३७३ ॐ पतिव्रतायै नमः ।
३७४ ॐ अन्नपूर्णायै नमः ।
३७५ ॐ सदानन्दरूपायै नमः ।
३७६ ॐ कैवल्यसुन्दर्यै नमः ।
३७७ ॐ कैवल्यदायिन्यै नमः ।
३७८ ॐ श्रेष्ठायै नमः ।
३७९ ॐ गोपीनाथमनोहरायै नमः ।

३८० ॐ गोपीनाथेश्वर्यै नमः।
३८१ ॐ चण्ड्यै नमः।
३८२ ॐ नायिकानयनान्वितायै नमः।
३८३ ॐ नायिकायै नमः।
३८४ ॐ नायकप्रीतायै नमः।
३८५ ॐ नायकानन्दरूपिण्यै नमः।
३८६ ॐ शेषायै नमः।
३८७ ॐ शेषवत्यै नमः।
३८८ ॐ शेषरूपिण्यै नमः।
३८९ ॐ जगदम्बिकायै नमः।
३९० ॐ गोपालपालिकायै नमः।
३९१ ॐ मायायै नमः।
३९२ ॐ जायाऽऽनन्दप्रदायै नमः।
३९३ ॐ कुमार्यै नमः।
३९४ ॐ यौवनानन्दायै नमः।
३९५ ॐ युवत्यै नमः।

३९६ ॐ गोपसुन्दर्यै नमः।
३९७ ॐ गोपमात्रे नमः।
३९८ ॐ जानक्यै नमः।
३९९ ॐ जनकानन्दकारिण्यै नमः।
४०० ॐ कैलासवासिन्यै नमः।
४०१ ॐ रम्भायै नमः।
४०२ ॐ वैराग्यकुलदीपिकायै नमः।
४०३ ॐ कमलाकान्तग्रहिण्यै नमः।
४०४ ॐ कमलायै नमः।
४०५ ॐ कमलालयायै नमः।
४०६ ॐ त्रैलोक्यमात्रे नमः।
४०७ ॐ जगतामधिष्ठात्र्यै नमः।
४०८ ॐ प्रियाम्बिकायै नमः।
४०९ ॐ हरकान्तायै नमः।
४१० ॐ हररतायै नमः।
४११ ॐ हरानन्दप्रदायिन्यै नमः।

४१२ ॐ हरपत्न्यै नमः।
४१३ ॐ हरप्रीतायै नमः।
४१४ ॐ हरतोषणतत्परायै नमः।
४१५ ॐ हरेश्वर्यै नमः।
४१६ ॐ रामरतायै नमः।
४१७ ॐ रामायै नमः।
४१८ ॐ रामेश्वर्यै नमः।
४१९ ॐ रमायै नमः।
४२० ॐ श्यामलायै नमः।
४२१ ॐ चित्रलेखायै नमः।
४२२ ॐ भुवनमोहिन्यै नमः।
४२३ ॐ सुगोप्यै नमः।
४२४ ॐ गोपवनितायै नमः।
४२५ ॐ गोपराज्यप्रदायै नमः।
४२६ ॐ शुभायै नमः।
४२७ ॐ अङ्गारपूर्णायै नमः।

४२८ ॐ माहेय्यै नमः।
४२९ ॐ मत्स्यराजसुतासत्यै नमः।
४३० ॐ कौमार्यै नमः।
४३१ ॐ नारसिंह्यै नमः।
४३२ ॐ वाराह्यै नमः।
४३३ ॐ नवदुर्गिकायै नमः।
४३४ ॐ चञ्चलाचञ्चलामोदायै नमः।
४३५ ॐ नारी भुवनसुन्दर्यै नमः।
४३६ ॐ दक्षयज्ञहरायै नमः।
४३७ ॐ दाक्ष्यै नमः।
४३८ ॐ दक्षकन्यायै नमः।
४३९ ॐ सुलोचनायै नमः।
४४० ॐ रतिरूपायै नमः।
४४१ ॐ रतिप्रीतायै नमः।
४४२ ॐ रतिश्रेष्ठायै नमः।
४४३ ॐ रतिप्रदायै नमः।
४४४ ॐ रतिलक्षणगेहस्थायै नमः।
४४५ ॐ विरजायै नमः।

४४६ ॐ भुवनेश्वर्यै नमः।
४४७ ॐ शङ्कास्पदायै नमः।
४४८ ॐ हरेर्जायायै नमः।
४४९ ॐ जामातृकुलवन्दितायै नमः।
४५० ॐ वकुलायै नमः।
४५१ ॐ वकुलामोदधारिण्यै नमः।
४५२ ॐ यमुनाजयायै नमः।
४५३ ॐ विजयायै नमः।
४५४ ॐ जयपत्न्यै नमः।
४५५ ॐ यमलार्जुनभञ्जिन्यै नमः।
४५६ ॐ वक्रेश्वर्यै नमः।
४५७ ॐ वक्ररूपायै नमः।
४५८ ॐ वक्रवीक्षणवीक्षितायै नमः।
४५९ ॐ अपराजितायै नमः।
४६० ॐ जगन्नाथायै नमः।
४६१ ॐ जगन्नाथेश्वर्यै नमः।
४६२ ॐ यत्यै नमः।
४६३ ॐ खेचर्यै नमः।

४६४ ॐ खेचरसुतायै नमः।
४६५ ॐ खेचरत्वप्रदायिन्यै नमः।
४६६ ॐ विष्णुवक्षःस्थलस्थायै नमः।
४६७ ॐ विष्णुभावनतत्परायै नमः।
४६८ ॐ चन्द्रकोटिसुगात्र्यै नमः।
४६९ ॐ चन्द्राननमनोहरायै नमः।
४७० ॐ सेवायै नमः।
४७१ ॐ सेव्यायै नमः।
४७२ ॐ शिवायै नमः।
४७३ ॐ क्षेमायै नमः।
४७४ ॐ क्षेमकर्यै वध्वै नमः।
४७५ ॐ यादवेन्द्रवध्वै नमः।
४७६ ॐ शैब्यायै नमः।
४७७ ॐ शिवभक्तायै नमः।
४७८ ॐ शिवान्वितायै नमः।
४७९ ॐ केवलायै नमः।
४८० ॐ निष्कलायै नमः।
४८१ ॐ सूक्ष्मायै नमः।

४८२ ॐ महाभीमायै नमः।
४८३ ॐ अभयप्रदायै नमः।
४८४ ॐ जीमूतरूपायै नमः।
४८५ ॐ जैमूत्यै नमः।
४८६ ॐ जितामित्रप्रमोदिन्यै नमः।
४८७ ॐ गोपालवनितायै नमः।
४८८ ॐ नन्दायै नमः।
४८९ ॐ कुलजेन्द्रनिवासिन्यै नमः।
४९० ॐ जयन्त्यै नमः।
४९१ ॐ यमुनाङ्ग्यै नमः।
४९२ ॐ यमुनातोषकारिण्यै नमः।
४९३ ॐ कलिकल्मषभङ्गायै नमः।
४९४ ॐ कलिकल्मषनाशिन्यै नमः।
४९५ ॐ कलिकल्मषरूपायै नमः।
४९६ ॐ नित्यानन्दकर्यै कृपायै नमः।
४९७ ॐ कृपावत्यै नमः।
४९८ ॐ कुलवत्यै नमः।
४९९ ॐ कैलासाचलवासिन्यै नमः।

५०० ॐ वामदेव्यै नमः।
५०१ ॐ वामभागायै नमः।
५०२ ॐ गोविन्दप्रियकारिण्यै नमः।
५०३ ॐ नरेन्द्रकन्यायै नमः।
५०४ ॐ योगेश्यै नमः।
५०५ ॐ योगिन्यै नमः।
५०६ ॐ योगरूपिण्यै नमः।
५०७ ॐ योगसिद्धायै नमः।
५०८ ॐ सिद्धरूपायै नमः।
५०९ ॐ सिद्धक्षेत्रनिवासिन्यै नमः।
५१० ॐ क्षेत्राधिष्ठातृरूपायै नमः।
५११ ॐ क्षेत्रातीतायै नमः।
५१२ ॐ कुलप्रदायै नमः।
५१३ ॐ केशवानन्ददात्र्यै नमः।
५१४ ॐ केशवानन्ददायिन्यै नमः।
५१५ ॐ केशवायै नमः।
५१६ ॐ केशवप्रीतायै नमः।
५१७ ॐ केशव्यै नमः।

५१८ ॐ केशवप्रियायै नमः।
५१९ ॐ रासक्रीडाकर्यै नमः।
५२० ॐ रासवासिन्यै नमः।
५२१ ॐ राससुन्दर्यै नमः।
५२२ ॐ गोकुलान्वितदेहायै नमः।
५२३ ॐ गोकुलत्वप्रदायिन्यै नमः।
५२४ ॐ लवङ्गनाम्न्यै नमः।
५२५ ॐ नारङ्ग्यै नमः।
५२६ ॐ नारङ्गकुलमण्डनायै नमः।
५२७ ॐ एलालवङ्गकर्पूरमुख-
वासमुखान्वितायै नमः।
५२८ ॐ मुख्यायै नमः।
५२९ ॐ मुख्यप्रदायै नमः।
५३० ॐ मुख्यरूपायै नमः।
५३१ ॐ मुख्यनिवासिन्यै नमः।
५३२ ॐ नारायण्यै नमः।
५३३ ॐ कृपातीतायै नमः।
५३४ ॐ करुणामयकारिण्यै नमः।

५३५ ॐ कारुण्यायै नमः।
५३६ ॐ करुणायै नमः।
५३७ ॐ कर्णायै नमः।
५३८ ॐ गोकर्णायै नमः।
५३९ ॐ नागकर्णिकायै नमः।
५४० ॐ सर्पिण्यै नमः।
५४१ ॐ कौलिन्यै नमः।
५४२ ॐ क्षेत्रवासिन्यै नमः।
५४३ ॐ जगदन्वयायै नमः।
५४४ ॐ जटिलायै नमः।
५४५ ॐ कुटिलायै नमः।
५४६ ॐ नीलायै नमः।
५४७ ॐ नीलाम्बरधरायै शुभायै नमः।
५४८ ॐ नीलाम्बरविधात्र्यै नमः।
५४९ ॐ नीलकण्ठप्रियायै नमः।
५५० ॐ भगिन्यै नमः।
५५१ ॐ भागिन्यै नमः।
५५२ ॐ भोग्यायै नमः।

५५३ ॐ कृष्णभोग्यायै नमः।
५५४ ॐ भगेश्वर्यै नमः।
५५५ ॐ बलेश्वर्यै नमः।
५५६ ॐ बलाराध्यायै नमः।
५५७ ॐ कान्तायै नमः।
५५८ ॐ कान्तनितम्बिन्यै नमः।
५५९ ॐ नितम्बिन्यै नमः।
५६० ॐ रूपवत्यै नमः।
५६१ ॐ युवत्यै नमः।
५६२ ॐ कृष्णपीवर्यै नमः।
५६३ ॐ विभावर्यै नमः।
५६४ ॐ वेत्रवत्यै नमः।
५६५ ॐ संकटायै नमः।
५६६ ॐ कुटिलालकायै नमः।
५६७ ॐ नारायणप्रियायै नमः।
५६८ ॐ शैलायै नमः।
५६९ ॐ सृक्कणीपरिमोहितायै नमः।
५७० ॐ दृक्पातमोहितायै नमः।

५७१ ॐ प्रातराशिन्यै नमः।
५७२ ॐ नवनीतिकायै नमः।
५७३ ॐ नवीनायै नमः।
५७४ ॐ नवनार्यै नमः।
५७५ ॐ नारङ्गफलशोभितायै नमः।
५७६ ॐ हैम्यै नमः।
५७७ ॐ हेममुख्यै नमः।
५७८ ॐ चन्द्रमुख्यै नमः।
५७९ ॐ शशिसुशोभनायै नमः।
५८० ॐ अर्द्धचन्द्रधरायै नमः।
५८१ ॐ चन्द्रवल्लभायै नमः।
५८२ ॐ रोहिण्यै नमः।
५८३ ॐ तम्यै नमः।
५८४ ॐ तिमिंगिलकुलामोदमत्स्य-
रूपाङ्गहारिण्यै नमः।
५८५ ॐ सर्वभूतानां कारिण्यै नमः।
५८६ ॐ कार्यातीतायै नमः।
५८७ ॐ किशोरिण्यै नमः।

५८८ ॐ किशोरवल्लभायै नमः।
५८९ ॐ केशकारिकायै नमः।
५९० ॐ कामकारिकायै नमः।
५९१ ॐ कामेश्वर्यै नमः।
५९२ ॐ कामकलायै नमः।
५९३ ॐ कालिन्दीकूलदीपिकायै नमः।
५९४ ॐ कलिन्दतनयातीरवासिन्यै नमः।
५९५ ॐ तीरगेहिन्यै नमः।
५९६ ॐ कादम्बरीपानपरायै नमः।
५९७ ॐ कुसुमामोदधारिण्यै नमः।
५९८ ॐ कुमुदायै नमः।
५९९ ॐ कुमुदानन्दायै नमः।
६०० ॐ कृष्णोश्यै नमः।
६०१ ॐ कामवल्लभायै नमः।
६०२ ॐ तर्काल्यै नमः।
६०३ ॐ वैजयन्त्यै नमः।
६०४ ॐ निम्बदाडिम्बरूपिण्यै नमः।
६०५ ॐ बिल्ववृक्षप्रियायै नमः।

६०६ ॐ कृष्णाम्बरायै नमः।
६०७ ॐ बिल्वोपमस्तन्यै नमः।
६०८ ॐ बिल्वात्मिकायै नमः।
६०९ ॐ बिल्ववसवे नमः।
६१० ॐ बिल्ववृक्षनिवासिन्यै नमः।
६११ ॐ तुलसीतोषिकायै नमः।
६१२ ॐ तैतिलानन्द-
परितोषिकायै नमः।
६१३ ॐ गजमुक्तायै नमः।
६१४ ॐ महामुक्तायै नमः।
६१५ ॐ महामुक्तिफल-
प्रदायै नमः।
६१६ ॐ अनङ्गमोहिन्यै नमः।
६१७ ॐ शक्तिरूपायै नमः।
६१८ ॐ शक्तिस्वरूपिण्यै नमः।
६१९ ॐ पञ्चशक्तिस्वरूपायै नमः।
६२० ॐ शैशवानन्दकारिण्यै नमः।
६२१ ॐ गजेन्द्रगामिन्यै नमः।

६२२ ॐ श्यामलतायै नमः।
६२३ ॐ अनङ्गलतायै नमः।
६२४ ॐ योषिच्छक्तिस्वरूपायै नमः।
६२५ ॐ योषिदानन्दकारिण्यै नमः।
६२६ ॐ प्रेमप्रियायै नमः।
६२७ ॐ प्रेमरूपायै नमः।
६२८ ॐ प्रेमानन्दतरङ्गिण्यै नमः।
६२९ ॐ प्रेमहारायै नमः।
६३० ॐ प्रेमदात्र्यै नमः।
६३१ ॐ प्रेमशक्तिमय्यै नमः।
६३२ ॐ कृष्णप्रेमवत्यै नमः।
६३३ ॐ धन्यायै नमः।
६३४ ॐ कृष्णप्रेमतरङ्गिण्यै नमः।
६३५ ॐ प्रेमभक्तिप्रदायै नमः।
६३६ ॐ प्रेमायै नमः।
६३७ ॐ प्रेमानन्दतरङ्गिण्यै नमः।
६३८ ॐ प्रेमक्रीडापरीताङ्ग्यै नमः।
६३९ ॐ प्रेमभक्तितरङ्गिण्यै नमः।

६४० ॐ प्रेमार्थदायिन्यै नमः।
६४१ ॐ सर्वश्वेतायै नमः।
६४२ ॐ नित्यतरङ्गिण्यै नमः।
६४३ ॐ हावभावान्वितायै नमः।
६४४ ॐ रौद्रायै नमः।
६४५ ॐ रुद्रानन्दप्रकाशिन्यै नमः।
६४६ ॐ कपिलायै नमः।
६४७ ॐ शृङ्खलायै नमः।
६४८ ॐ केशपाशसम्बन्धिन्यै
धट्यै नमः।
६४९ ॐ कुटीरवासिन्यै नमः।
६५० ॐ धूम्रायै नमः।
६५१ ॐ धूम्रकेशायै नमः।
६५२ ॐ जलोदर्यै नमः।
६५३ ॐ ब्रह्माण्डगोचरायै नमः।
६५४ ॐ ब्रह्मस्वरूपिण्यै नमः।
६५५ ॐ भवभाविन्यै नमः।
६५६ ॐ संसारनाशिन्यै नमः।

६५७ ॐ शैवायै नमः।
६५८ ॐ शैवलानन्ददायिन्यै नमः।
६५९ ॐ शिशिरायै नमः।
६६० ॐ हेमरागाढ्यायै नमः।
६६१ ॐ मेघरूपातिसुन्दर्यै नमः।
६६२ ॐ मनोरमायै नमः।
६६३ ॐ वेगवत्यै नमः।
६६४ ॐ वेगाढ्यायै नमः।
६६५ ॐ वेदवादिन्यै नमः।
६६६ ॐ दयान्वितायै नमः।
६६७ ॐ दयाधारायै नमः।
६६८ ॐ दयारूपायै नमः।
६६९ ॐ सुसेविन्यै नमः।
६७० ॐ किशोरसङ्गसंसर्गायै नमः।
६७१ ॐ गौरचन्द्राननायै नमः।
६७२ ॐ कलायै नमः।
६७३ ॐ कलाधिनाथवदनायै नमः।
६७४ ॐ कलानाथाधिरोहिण्यै नमः।

६७५ ॐ विरागकुशलायै नमः।
६७६ ॐ हेमपिङ्गलायै नमः।
६७७ ॐ हेममण्डनायै नमः।
६७८ ॐ भाण्डीरतालवनगायै नमः।
६७९ ॐ कैवर्त्यै नमः।
६८० ॐ पीवर्यै नमः।
६८१ ॐ शुक्यै नमः।
६८२ ॐ शुकदेवगुणातीतायै नमः।
६८३ ॐ शुकदेवप्रियायै सख्यै नमः।
६८४ ॐ विकलोत्कर्षिण्यै नमः।
६८५ ॐ कोषायै नमः।
६८६ ॐ कौशेयाम्बरधारिण्यै नमः।
६८७ ॐ कौषावर्यै नमः।
६८८ ॐ कोषरूपायै नमः।
६८९ ॐ जगदुत्पत्तिकारिकायै नमः।
६९० ॐ सृष्टिस्थितिकर्यै नमः।
६९१ ॐ संहारिण्यै नमः।
६९२ ॐ संहारकारिण्यै नमः।

६९३ ॐ केशशैवलधात्र्यै नमः।
६९४ ॐ चन्द्रगात्रायै नमः।
६९५ ॐ सुकोमलायै नमः।
६९६ ॐ पद्माङ्गरागसंरागायै नमः।
६९७ ॐ विन्ध्याद्रिपरिवासिन्यै नमः।
६९८ ॐ विन्ध्यालयायै नमः।
६९९ ॐ श्यामसख्यै नमः।
७०० ॐ सखीसंसाररागिण्यै नमः।
७०१ ॐ भूतायै नमः।
७०२ ॐ भविष्यायै नमः।
७०३ ॐ भव्यायै नमः।
७०४ ॐ भव्यगात्रायै नमः।
७०५ ॐ भवातिगायै नमः।
७०६ ॐ भवनाशान्तकारिण्यै नमः।
७०७ ॐ आकाशरूपायै नमः।
७०८ ॐ सुवेशिन्यै नमः।
७०९ ॐ रतिरङ्गपरित्यागायै नमः।
७१० ॐ रतिवेगायै नमः।

७११ ॐ रतिप्रदायै नमः ।
७१२ ॐ तेजस्विन्यै नमः ।
७१३ ॐ तेजोरूपायै नमः ।
७१४ ॐ कैवल्यपथदायै शुभायै नमः ।
७१५ ॐ भक्तिहेतवे नमः ।
७१६ ॐ मुक्तिहेतवे नमः ।
७१७ ॐ लङ्घिन्यै नमः ।
७१८ ॐ लङ्घनक्षमायै नमः ।
७१९ ॐ विशालनेत्रायै नमः ।
७२० ॐ वैशाल्यै नमः ।
७२१ ॐ विशालकुलसम्भवायै नमः ।
७२२ ॐ विशालगृहवासायै नमः ।
७२३ ॐ विशालबदरीरत्यै नमः ।
७२४ ॐ भक्त्यतीतायै नमः ।
७२५ ॐ भक्तिगत्यै नमः ।
७२६ ॐ भक्तिकायै नमः ।
७२७ ॐ शिवभक्तिदायै नमः ।
७२८ ॐ शिवभक्तिस्वरूपायै नमः ।

७२९ ॐ शिवार्द्धाङ्गविहारिण्यै नमः।
७३० ॐ शिरीषकुसुमामोदायै नमः।
७३१ ॐ शिरीषकुसुमोज्ज्वलायै नमः।
७३२ ॐ शिरीषमृद्ध्यै नमः।
७३३ ॐ शैरीष्यै नमः।
७३४ ॐ शिरीषकुसुमाकृत्यै नमः।
७३५ ॐ विष्णोः वामाङ्गहारिण्यै नमः।
७३६ ॐ शिवभक्ति-
सुखान्वितायै नमः।
७३७ ॐ विजितायै नमः।
७३८ ॐ विजितामोदायै नमः।
७३९ ॐ गणगायै नमः।
७४० ॐ गणतोषितायै नमः।
७४१ ॐ हयास्यायै नमः।
७४२ ॐ हेरम्बसुतायै नमः।
७४३ ॐ गणमात्रे नमः।
७४४ ॐ सुखेश्वर्यै नमः।
७४५ ॐ दुःखहन्त्र्यै नमः।

७४६ ॐ दुःखहरायै नमः।
७४७ ॐ सेवितेप्सितसर्वदायै नमः।
७४८ ॐ सर्वज्ञत्वविधात्र्यै नमः।
७४९ ॐ कुलक्षेत्रनिवासिन्यै नमः।
७५० ॐ लवङ्गायै नमः।
७५१ ॐ पाण्डवसख्यै नमः।
७५२ ॐ सखीमध्यनिवासिन्यै नमः।
७५३ ॐ ग्राम्यगीतायै नमः।
७५४ ॐ गयायै नमः।
७५५ ॐ गम्यायै नमः।
७५६ ॐ गमनातीतनिर्भरायै नमः।
७५७ ॐ सर्वाङ्गसुन्दर्यै नमः।
७५८ ॐ गङ्गायै नमः।
७५९ ॐ गङ्गाजलमय्यै नमः।
७६० ॐ गङ्गेरितायै नमः।
७६१ ॐ पूतगात्रायै नमः।
७६२ ॐ पवित्रकुलदीपिकायै नमः।
७६३ ॐ पवित्रगुणशीलाढ्यायै नमः।

७६४ ॐ पवित्रानन्ददायिन्यै नमः।
७६५ ॐ पवित्रगुणसीमाढ्यायै नमः।
७६६ ॐ पवित्रकुलदीपिन्यै नमः।
७६७ ॐ कल्पमानायै नमः।
७६८ ॐ कंसहरायै नमः।
७६९ ॐ विन्ध्याचल-
निवासिन्यै नमः।
७७० ॐ गोवर्धनेश्वर्यै नमः।
७७१ ॐ गोवर्धनहास्यायै नमः।
७७२ ॐ हयाकृत्यै नमः।
७७३ ॐ मीनावतारायै नमः।
७७४ ॐ मीनेश्यै नमः।
७७५ ॐ गगनेश्यै नमः।
७७६ ॐ हयायै नमः।
७७७ ॐ गज्यै नमः।
७७८ ॐ हरिण्यै नमः।
७७९ ॐ हारिण्यै नमः।
७८० ॐ हारधारिण्यै नमः।

७८१ ॐ कनकाकृत्यै नमः।
७८२ ॐ विद्युत्प्रभायै नमः।
७८३ ॐ विप्रमात्रे नमः।
७८४ ॐ गोपमात्रे नमः।
७८५ ॐ गयेश्वर्यै नमः।
७८६ ॐ गवेश्वर्यै नमः।
७८७ ॐ गवेश्यै नमः।
७८८ ॐ गवीश्यै नमः।
७८९ ॐ गतिवासिन्यै नमः।
७९० ॐ गतिज्ञायै नमः।
७९१ ॐ गीतकुशलायै नमः।
७९२ ॐ दनुजेन्द्रनिवारिण्यै नमः।
७९३ ॐ निर्वाणधात्र्यै नमः।
७९४ ॐ नैर्वाण्यै नमः।
७९५ ॐ हेतुयुक्तायै नमः।
७९६ ॐ गयोत्तरायै नमः।
७९७ ॐ पर्वताधिनिवासायै नमः।
७९८ ॐ निवासकुशलायै नमः।

७९९ ॐ संन्यासधर्मकुशलायै नमः।
८०० ॐ संन्यासेश्यै नमः।
८०१ ॐ शरन्मुख्यै नमः।
८०२ ॐ शरच्चन्द्रमुख्यै नमः।
८०३ ॐ श्यामहारायै नमः।
८०४ ॐ क्षेत्रनिवासिन्यै नमः।
८०५ ॐ वसन्तरागसंरागायै नमः।
८०६ ॐ वसन्तवसनाकृत्यै नमः।
८०७ ॐ चतुर्भुजायै नमः।
८०८ ॐ षड्भुजायै नमः।
८०९ ॐ द्विभुजायै नमः।
८१० ॐ गौरविग्रहायै नमः।
८११ ॐ सहस्त्रास्यायै नमः।
८१२ ॐ विहास्यायै नमः।
८१३ ॐ मुद्रास्यायै नमः।
८१४ ॐ मुददायिन्यै नमः।
८१५ ॐ प्राणप्रियायै नमः।
८१६ ॐ प्राणरूपायै नमः।

८१७ ॐ प्राणरूपिण्यै
अपावृतायै नमः।
८१८ ॐ कृष्णप्रीतायै नमः।
८१९ ॐ कृष्णरतायै नमः।
८२० ॐ कृष्णतोषण-
तत्परायै नमः।
८२१ ॐ कृष्णप्रेमरतायै नमः।
८२२ ॐ कृष्णभक्तायै नमः।
८२३ ॐ भक्तफलप्रदायै नमः।
८२४ ॐ कृष्णप्रेमायै नमः।
८२५ ॐ प्रेमभक्तायै नमः।
८२६ ॐ हरिभक्तिप्रदायिन्यै नमः।
८२७ ॐ चैतन्यरूपायै नमः।
८२८ ॐ चैतन्यप्रियायै नमः।
८२९ ॐ चैतन्यरूपिण्यै नमः।
८३० ॐ उग्ररूपायै नमः।
८३१ ॐ शिवक्रोडायै नमः।
८३२ ॐ कृष्णक्रोडायै नमः।

८३३ ॐ जलोदर्यै नमः।
८३४ ॐ महोदर्यै नमः।
८३५ ॐ महादुर्गकान्तारसुस्थ-
वासिन्यै नमः।
८३६ ॐ चन्द्रावल्यै नमः।
८३७ ॐ चन्द्रकेश्यै नमः।
८३८ ॐ चन्द्रप्रेमतरङ्गिण्यै नमः।
८३९ ॐ समुद्रमथनोद्भूतायै नमः।
८४० ॐ समुद्रजलवासिन्यै नमः।
८४१ ॐ समुद्रामृतरूपायै नमः।
८४२ ॐ समुद्रजलवासिकायै नमः।
८४३ ॐ केशपाशरतायै नमः।
८४४ ॐ निद्रायै नमः।
८४५ ॐ क्षुधायै नमः।
८४६ ॐ प्रेमतरङ्गिकायै नमः।
८४७ ॐ दूर्वादलश्यामतन्वै नमः।
८४८ ॐ दूर्वादलतनुच्छवये नमः।
८४९ ॐ नागर्यै नमः।

८५० ॐ नागरारागायै नमः।
८५१ ॐ नागरानन्दकारिण्यै नमः।
८५२ ॐ नागरालिङ्गनपरायै नमः।
८५३ ॐ नागराङ्गणमङ्गलायै नमः।
८५४ ॐ उच्चनीचायै नमः।
८५५ ॐ हैमवतीप्रियायै नमः।
८५६ ॐ कृष्णतरङ्गदायै नमः।
८५७ ॐ प्रेमालिङ्गनसिद्धाङ्ग्यै नमः।
८५८ ॐ सिद्धसाध्यविलासिकायै नमः।
८५९ ॐ मङ्गलामोदजनन्यै नमः।
८६० ॐ मेखलामोदधारिण्यै नमः।
८६१ ॐ रत्नमञ्जीरभूषाङ्ग्यै नमः।
८६२ ॐ रत्नभूषणभूषणायै नमः।
८६३ ॐ जम्बालमालिकायै नमः।
८६४ ॐ कृष्णप्राणायै नमः।
८६५ ॐ प्राणविमोचनायै नमः।
८६६ ॐ सत्यप्रदायै नमः।

८६७ ॐ सत्यवत्यै नमः।
८६८ ॐ सेवकानन्ददायिकायै नमः।
८६९ ॐ जगद्योनये नमः।
८७० ॐ जगद्बीजायै नमः।
८७१ ॐ विचित्रमणिभूषणायै नमः।
८७२ ॐ राधारमणकान्तायै नमः।
८७३ ॐ राध्यायै नमः।
८७४ ॐ राधनरूपिण्यै नमः।
८७५ ॐ कैलासवासिन्यै नमः।
८७६ ॐ कृष्णप्राणसर्वस्वदायिन्यै नमः।
८७७ ॐ कृष्णावतारनिरतायै नमः।
८७८ ॐ कृष्णभक्तफलार्थिन्यै नमः।
८७९ ॐ याचकायाचकानन्द-
कारिण्यै नमः।
८८० ॐ याचकोज्ज्वलायै नमः।
८८१ ॐ हरिभूषणभूषाढ्यायै नमः।
८८२ ॐ आनन्दयुक्तायै नमः।
८८३ ॐ आर्द्रपादगायै नमः।

८८४ ॐ है-है-तालधरायै नमः।
८८५ ॐ थै-थै-शब्दशक्ति-
प्रकाशिन्यै नमः।
८८६ ॐ हे-हे-शब्दस्वरूपायै नमः।
८८७ ॐ ही-ही-वाक्य-
विशारदायै नमः।
८८८ ॐ जगदानन्दकर्त्र्यै नमः।
८८९ ॐ सान्द्रानन्दविशारदायै नमः।
८९० ॐ पण्डितायै नमः।
८९१ ॐ पण्डितगुणायै नमः।
८९२ ॐ पण्डितानन्दकारिण्यै नमः।
८९३ ॐ परिपालनकर्त्र्यै नमः।
८९४ ॐ स्थितिविनोदिन्यै नमः।
८९५ ॐ संहारशब्दाढ्यायै नमः।
८९६ ॐ विद्वज्जनमनोहरायै नमः।
८९७ ॐ विदुषां प्रीतिजनन्यै नमः।
८९८ ॐ विद्वत्प्रेमविवर्धिन्यै नमः।
८९९ ॐ नादेश्यै नमः।

१०० ॐ नादरूपायै नमः।
१०१ ॐ नादबिन्दुविधारिण्यै नमः।
१०२ ॐ शून्यस्थानस्थितायै नमः।
१०३ ॐ शून्यरूपपादपवासिन्यै नमः।
१०४ ॐ कार्तिकव्रतकर्त्र्यै नमः।
१०५ ॐ वसनाहारिण्यै नमः।
१०६ ॐ जलाशयायै नमः।
१०७ ॐ जलतलायै नमः।
१०८ ॐ शिलातलनिवासिन्यै नमः।
१०९ ॐ क्षुद्रकीटाङ्गसंसर्गायै नमः।
११० ॐ सङ्गदोषविनाशिन्यै नमः।
१११ ॐ कोटिकन्दर्पलावण्यायै नमः।
११२ ॐ कोटिकन्दर्पसुन्दर्यै नमः।
११३ ॐ कन्दर्पकोटिजनन्यै नमः।
११४ ॐ कामबीजप्रदायिन्यै नमः।
११५ ॐ कामशास्त्रविनोदायै नमः।
११६ ॐ कामशास्त्रप्रकाशिन्यै नमः।
११७ ॐ कामप्रकाशिकायै नमः।

११८ ॐ कामिन्यै नमः।
११९ ॐ अणिमाद्यष्ट-
सिद्धिदायै नमः।
१२० ॐ यामिन्यै नमः।
१२१ ॐ यामिनीनाथवदनायै नमः।
१२२ ॐ यामिनीश्वर्यै नमः।
१२३ ॐ यागयोगहरायै नमः।
१२४ ॐ भुक्तिमुक्तिदात्र्यै नमः।
१२५ ॐ हिरण्यदायै नमः।
१२६ ॐ कपालमालिन्यै नमः।
१२७ ॐ देव्यै नमः।
१२८ ॐ धामरूपिण्यै नमः।
१२९ ॐ अपूर्वदायै नमः।
१३० ॐ कृपान्वितायै नमः।
१३१ ॐ गुणागौण्यायै नमः।
१३२ ॐ गुणातीतफलप्रदायै नमः।
१३३ ॐ कूष्माण्डभूतवेताल-
नाशिन्यै नमः।

१३४ ॐ शरदान्वितायै नमः।
१३५ ॐ शीतलायै नमः।
१३६ ॐ शबलायै नमः।
१३७ ॐ हेलायै नमः।
१३८ ॐ लीलायै नमः।
१३९ ॐ लावण्यमङ्गलायै नमः।
१४० ॐ विद्यार्थिन्यै नमः।
१४१ ॐ विद्यमानायै नमः।
१४२ ॐ विद्यायै नमः।
१४३ ॐ विद्यास्वरूपिण्यै नमः।
१४४ ॐ आन्वीक्षिकीशास्त्र-
रूपायै नमः।
१४५ ॐ शास्त्रसिद्धान्त-
कारिण्यै नमः।
१४६ ॐ नागेन्द्रायै नमः।
१४७ ॐ नागमात्रे नमः।
१४८ ॐ क्रीडाकौतुकरूपिण्यै नमः।
१४९ ॐ हरिभावनशीलायै नमः।

१५० ॐ हरितोषणतत्परायै नमः।
१५१ ॐ हरिप्राणायै नमः।
१५२ ॐ हरप्राणायै नमः।
१५३ ॐ शिवप्राणायै नमः।
१५४ ॐ शिवान्वितायै नमः।
१५५ ॐ नरकार्णवसंहर्त्र्यै नमः।
१५६ ॐ नरकार्णवनाशिन्यै नमः।
१५७ ॐ नरेश्वर्यै नमः।
१५८ ॐ नरातीतायै नमः।
१५९ ॐ नरसेव्यायै नमः।
१६० ॐ नराङ्गनायै नमः।
१६१ ॐ यशोदानन्दनप्राण-
वल्लभायै नमः।
१६२ ॐ हरिवल्लभायै नमः।
१६३ ॐ यशोदानन्दनारम्यायै नमः।
१६४ ॐ यशोदानन्दनेश्वर्यै नमः।
१६५ ॐ यशोदानन्दनाक्रीडायै नमः।
१६६ ॐ यशोदाक्रोडवासिन्यै नमः।

१६७ ॐ यशोदानन्दनप्राणायै नमः ।
१६८ ॐ यशोदानन्दनार्थदायै नमः ।
१६९ ॐ वत्सलायै नमः ।
१७० ॐ कोशलायै नमः ।
१७१ ॐ कालायै नमः ।
१७२ ॐ करुणार्णवरूपिण्यै नमः ।
१७३ ॐ स्वर्गलक्ष्म्यै नमः ।
१७४ ॐ भूमिलक्ष्म्यै नमः ।
१७५ ॐ द्रौपद्यै नमः ।
१७६ ॐ पाण्डवप्रियायै नमः ।
१७७ ॐ अर्जुनसख्यै नमः ।
१७८ ॐ भौम्यै नमः ।
१७९ ॐ भैम्यै नमः ।
१८० ॐ भीमकुलोद्भवायै नमः ।
१८१ ॐ भुवनामोहनायै नमः ।
१८२ ॐ क्षीणायै नमः ।
१८३ ॐ पानासक्ततरायै नमः ।
१८४ ॐ पानार्थिन्यै नमः ।

९८५ ॐ पानपात्रायै नमः।
९८६ ॐ पानपानन्ददायिन्यै नमः।
९८७ ॐ दुग्धमन्थनकर्माढ्यायै नमः।
९८८ ॐ दधिमन्थनतत्परायै नमः।
९८९ ॐ दधिभाण्डार्थिन्यै नमः।
९९० ॐ कृष्णक्रोधिन्यै नमः।
९९१ ॐ नन्दनाङ्गनायै नमः।
९९२ ॐ घृतलिप्तायै नमः।
९९३ ॐ तक्रयुक्तायै नमः।
९९४ ॐ यमुनापारकौतुकायै नमः।
९९५ ॐ विचित्रकथकायै नमः।
९९६ ॐ कृष्णहास्यभाषण-
तत्परायै नमः।
९९७ ॐ गोपाङ्गनावेष्टितायै नमः।
९९८ ॐ कृष्णसङ्गार्थिन्यै नमः।
९९९ ॐ रासासक्तायै नमः।
१००० ॐ रासरत्यै नमः।
१००१ ॐ आसवासक्तवासनायै नमः।

१००२ ॐ हरिद्रायै नमः।
१००३ ॐ हारितायै नमः।
१००४ ॐ हारिण्यै नमः।
१००५ ॐ आनन्दार्पितचेतनायै नमः।
१००६ ॐ निश्चैतन्यायै नमः।
१००७ ॐ निश्चेतायै नमः।
१००८ ॐ दारुहरिद्रिकायै नमः।
१००९ ॐ सुबलस्य स्वस्त्रे नमः।
१०१० ॐ कृष्णभार्यायै नमः।
१०११ ॐ भाषातिवेगिन्यै नमः।
१०१२ ॐ श्रीदामस्य सख्यै नमः।
१०१३ ॐ दामदामिन्यै नमः।
१०१४ ॐ दामधारिण्यै नमः।
१०१५ ॐ कैलासिन्यै नमः।
१०१६ ॐ केशिन्यै नमः।
१०१७ ॐ हरिदम्बरधारिण्यै नमः।
१०१८ ॐ हरिसांनिध्यदात्र्यै नमः।
१०१९ ॐ हरिकौतुकमङ्गलायै नमः।

१०२० ॐ हरिप्रदायै नमः।
१०२१ ॐ हरिद्धारायै नमः।
१०२२ ॐ यमुनाजलवासिन्यै नमः।
१०२३ ॐ जैत्रप्रदायै नमः।
१०२४ ॐ जितार्थ्यै नमः।
१०२५ ॐ चतुरायै नमः।
१०२६ ॐ चातुर्यै नमः।
१०२७ ॐ तम्यै नमः।
१०२८ ॐ तमिस्त्रायै नमः।
१०२९ ॐ आतपरूपायै नमः।
१०३० ॐ रौद्ररूपायै नमः।
१०३१ ॐ यशोऽर्थिन्यै नमः।
१०३२ ॐ कृष्णार्थिन्यै नमः।
१०३३ ॐ कृष्णकलायै नमः।
१०३४ ॐ कृष्णानन्द-
विधायिन्यै नमः।
१०३५ ॐ कृष्णार्थवासनायै नमः।
१०३६ ॐ कृष्णरागिण्यै नमः।

१०३७ ॐ भवभाविन्यै नमः।
१०३८ ॐ कृष्णार्थरहितायै नमः।
१०३९ ॐ भक्तायै नमः।
१०४० ॐ भक्तभक्तिशुभ-
प्रदायै नमः।
१०४१ ॐ श्रीकृष्णरहितायै नमः।
१०४२ ॐ दीनायै नमः।
१०४३ ॐ हरेः विरहिण्यै नमः।
१०४४ ॐ मथुरायै नमः।
१०४५ ॐ मथुराराजगेहभावन-
भावनायै नमः।
१०४६ ॐ श्रीकृष्णभावनायै नमः।
१०४७ ॐ मोदायै नमः।
१०४८ ॐ उन्मादविधायिन्यै नमः।
१०४९ ॐ कृष्णार्थव्याकुलायै नमः।
१०५० ॐ कृष्णसारचर्मधरायै
शुभायै नमः।
१०५१ ॐ अलकेश्वरपूज्यायै नमः।

१०५२ ॐ कुबेरेश्वर-
वल्लभायै नमः।

१०५३ ॐ धनधान्यविधात्र्यै नमः।

१०५४ ॐ जायायै नमः।

१०५५ ॐ कायायै नमः।

१०५६ ॐ हयायै नमः।

१०५७ ॐ हय्यै नमः।

१०५८ ॐ प्रणवायै नमः।

१०५९ ॐ प्रणवेश्यै नमः।

१०६० ॐ प्रणवार्थस्वरूपिण्यै नमः।

१०६१ ॐ ब्रह्मविष्णुशिवार्धाङ्ग-
हारिण्यै नमः।

१०६२ ॐ शैवशिंशपायै नमः।

१०६३ ॐ राक्षसीनाशिन्यै नमः।

१०६४ ॐ भूतप्रेतप्राण-
विनाशिन्यै नमः।

१०६५ ॐ सकलेप्सितदात्र्यै नमः।

१०६६ ॐ शच्यै नमः।

१०६७ ॐ साध्व्यै अरुन्धत्यै नमः।
१०६८ ॐ पतिव्रतायै नमः।
१०६९ ॐ पतिप्राणायै नमः।
१०७० ॐ पतिवाक्यविनोदिन्यै नमः।
१०७१ ॐ अशेषासाधिन्यै नमः।
१०७२ ॐ कल्पवासिन्यै नमः।
१०७३ ॐ कल्परूपिण्यै नमः।

॥ इति श्रीनारदपाञ्चरात्रे श्रीराधिकासहस्त्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥

